RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 108 , सोमवार, 01 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

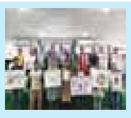

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एल.एन.डी. कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम 03

संदिग्ध सोने के जेवरों के साथ चार महिलाएं गिरफ्तार, गिरोह से संबंध की जांच 04

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज... 07

संक्षिप्त समाचार

सीबीएसई छात्र वेदांत से मिले राहुल गांधी

- ‘राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंट्स’ कहे जाने पर केंद्र को घेरा

छात्र बोले- हमें देशद्रोही-पाकिस्तानी कहा गया

वीडियो में छात्र बताते हैं कि लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया। एक छात्र वेदांत ने बताया कि जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर चर्चा की। राहुल गांधी ने इस विवाद के केंद्र में रहे छात्र वेदांत से भी मुलाकात की। इस दौरान छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर खुलकर बात रखी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया। छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, मेरे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत।

इजराइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा

- सैनिकों ने पहाड़ी पर झंडा फहराया 26 साल में सबसे बड़ी घुसपैठ

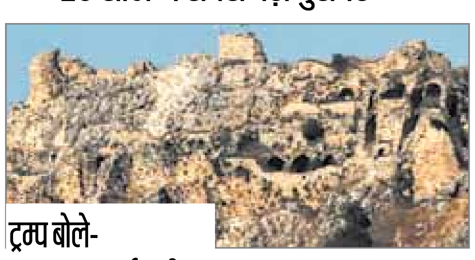

ट्रम्प बोले- जानबूझकर ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, लोग यह सुनकर हैरान होंगे कि हमने ईरानी सेना को क्यों छोड़ा और उसके साथ इतनी नरमी क्यों बरती।

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इजराइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजराइली झंडे लहराते दिखाई दिए। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। ब्यूफोर्ट किला 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर इजराइली कब्जे के दौरान उसकी सेना का एक प्रमुख सैन्य अड्डा था।

- गोवर्धन पर्वत में 24 घंटे में 10 लाख ने कर ली परिक्रमा

वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं से जाम ,5 लाख पहुंचे

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में रविवार को सुबह छह बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में आस्था का सैलाब उमड़ा है। 21

- प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में कई किलोमीटर लंबी लाइन

किलोमीटर लंबा परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओ से पूरी तरह भर गया है। पूरा परिक्रमा मार्ग गिरिराज महाराज की जय के जयकारे से गूंज रहा।

देश-विदेश से पहुंचे भक्त गिरिराज जी की परिक्रमा के साथ ब्रज 84 कोस और वृंदावन की परिक्रमा भी कर रहे हैं। अनुमान है कि रविवार को 5 लाख से

अधिक भीड़ बिहारीजी के दर्शन को पहुंची है। पिछले 24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा भक्त गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए पहुंचे। भीड़ के पहुंचने का आलम यह कि बसों की छतों पर लोग बैठकर पहुंच रहे हैं। वृंदावन की सड़कें, गलियां श्रद्धालुओं से जाम हो गई हैं। मथुरा से गोवर्धन आने वाले मार्गों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। सीट नहीं मिलने पर कई श्रद्धालु बसों की छतों पर बैठकर यात्रा करते नजर आए।

मंदिरों में दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें

परिक्रमा मार्ग के अलावा गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद, मानसी गंगा, जतीपुरा समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज को दूध और जल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग पर बेकाबू तरीके से दौड़ रहे ई-रिक्शा सबसे बड़ी परेशानी बन गए हैं। संकरे रास्तों पर तेज गति से चल रहे इन ई-रिक्शाओं के कारण श्रद्धालुओं को पैदल चलने में कठिनाई हो रही है। कई लोग उनकी चपेट में आकर चोटिल भी हुए हैं। इसके अलावा वीआईपी और स्थानीय चारपहिया वाहनों की आवाजाही से जगह-जगह लंबा जाम लग रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की एंट्री पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने से समस्याएं और बढ़ रही हैं।

कल्याण बनर्जी का बड़ा आरोप बीजेपी समर्थकों ने किया हमला

- सिर पर पत्थर मारा, कहा-निरंकुश सीएम अपने विरोधियों को खत्म करना चाहता है

हुगली (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। बनर्जी हुगली में विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चंडीतला पुलिस स्टेशन गए थे, जहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया, जिसमें कल्याण

बनर्जी पहले पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाते दिखे। बाद में वे सिर पकड़कर जमीन पर लेटते नजर आए। कुछ देर बाद वे इस हमले के विरोध में थाने के बाहर ही बैठ गए। उन्हें अपने सिर के पिछले हिस्से पर कपड़ा रखे हुए देखा गया। हालांकि, बीजेपी ने कल्याण के आरोपों का खंडन किया। कहा कि वे ड्रामा कर रहे हैं। उन्हें कोई चोट नहीं लगी। वे कल के अभिषेक बनर्जी के अंडे वाले विवाद से लोगों का ध्यान हटाना चाहते हैं।

बचेंगे देश के अरबों डॉलर,बड़ा प्लान है तैयार

अब खदानों में सीधे कोयले से बनेगी गैस

धनबाद (एजेंसी)। कोयला उद्योग देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर कदम बढ़ा चुका है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और उससे पैदा हुई ऊर्जा चुनौतियों से निपटने के

- पश्चिम एशिया संकट के बीच राहत की खबर

लिए केंद्र सरकार ने एक गेमचेंजर योजना को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत अब देश की उन खदानों से गैस निकाली जाएगी, जहां कोयला अत्यधिक गहराई में जा चुका है और पारंपरिक तरीके से उसका खनन बेहद खर्चीला और मुश्किल हो गया है। ऐसी खदानों में अब कोयले को सीधे जलाने के बजाय उसे ‘कोल गैसीफिकेशन’ (कोयला गैसीकरण) तकनीक के जरिए सीधे गैस में बदला जाएगा।

50 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

अनुमान के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स के शुरू होने से करीब 50,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वर्तमान में भारत अपनी जरूरतों के लिए विदेशों पर अत्यधिक निर्भर है। इस प्रोजेक्ट के सफल होने से इस निर्भरता में भारी कमी आएगी। देश में फर्टिलाइजर और केमिकल उद्योग के लिए ये सभी उत्पाद बेहद जरूरी हैं। घरेलू कोयले से गैस और ईंधन बनने के बाद भारत को महंगे आयात से मुक्ति मिलेगी, जिससे देश का राजकोषीय घाटा कम होगा और भारतीय रुपया मजबूत होगा।

तीन सरकारी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर

भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोल इंडिया लिमिटेड ने देश की तीन बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों गेल, भेल और बीपीसीएल के साथ हाथ मिलाया है। इनके साथ पूर्व में हुए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के तहत अब ज्वाइंट वेंचर बनाकर जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना को रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने 37,500 करोड़ की भारी-भरकम प्रोत्साहन राशि को भी मंजूरी दी है।

वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन गैसीकरण का लक्ष्य

इस परियोजना के तहत सरकार ने साल 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले के गैसीकरण का कड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में भारत में कोयले का सबसे अधिक उपयोग सीधे बिजली उत्पादन (थर्मल पावर) में होता है। लेकिन इस नई तकनीक के माध्यम से कोयले से जो गैस बनेगी, उसका उपयोग मेथेनॉल, अमोनिया, आवश्यक रसायनों और फर्टिलाइजर बनाने में किया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में कोयले की मांग में भी भारी इजाफा होगा। इस क्रांतिकारी कदम से न सिर्फ भारत की विदेशी देशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि देश के भीतर बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन भी होगा।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

बकरीद के दिन मारा था,पुलिस ने भागते वक्त मारी गोली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है। आओ, दिखाते हैं। इसका सीसीटीवी भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं।

असद हत्या का आरोपी

ट्रम्प की बेटी टिफिनी पति के साथ जैसलमेर पहुंचीं

काफिले के साथ पहुंचीं,2 लाख प्रतिदिन किराए वाले विला में रुकीं

जैसलमेर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की छोटी बेटी टिफनी ट्रम्प पति माइकल बोलोस के साथ रविवार सुबह करीब 10.51 बजे विशेष विमान से जैसलमेर पहुंचीं। वे

- एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था में एयर डिफेंस सिस्टम ‘आकाश’ तैनात

विश्व प्रसिद्ध सोनार किला (जैसलमेर फोर्ट), पटवों की हवेली और खूबसूरत गड़ीसर लेक सहित जैसलमेर के प्रमुख पर्यटन स्थल देखने जाएंगी। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सूर्यगढ़ होटल में रुके हैं। जिस विला में वे रुके हैं, वह होटल का सबसे महंगा है। उसका किराया करीब 2 लाख रुपए

प्रतिदिन बताया जा रहा है। इस विला में तीन कमरे और स्विमिंग पूल है। टिफनी ट्रम्प दिल्ली से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट पहुंचीं। जैसलमेर एयरपोर्ट पर पुलिस, विशेष सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात किए गए। एयरपोर्ट के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम ‘आकाश’ भी तैनात किया गया था। इसे भारतीय सेना और वायुसेना की वायु रक्षा क्षमता का अहम हिस्सा माना जाता है। सुरक्षा व्यवस्था में हाई-सिक्योरिटी और बुलेटप्रूफ गाड़ियां शामिल रहीं।

होटल में राजस्थानी डांस से स्वागत

टिफनी ट्रम्प के सूर्यगढ़ होटल पहुंचने पर लोक कलाकारों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में घूमर सहित कई डांस परफॉर्मेंस दी। पारंपरिक वाद्य यंत्रों (इंस्ट्रूमेंट्स) की धुन पर लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। स्वागत के लिए ऊंटों को विशेष रूप से राजस्थानी अंदाज में सजाया गया था। रंग-बिरंगे कपड़ों, कढ़ाईदार सजावटी सामान और पारंपरिक ज्वेलरी से सजे ऊंट आकर्षण का केंद्र रहे। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सोमवार शाम 4 बजे जैसलमेर से लौटेंगे।

इतिहास का हिस्सा हो गई मुंबई की एयर इंडिया कॉलोनियां

आखिरी परिवार ने भी छोड़ा आशियाना,1955 में हुआ था निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुरुआत हमेशा धूम-धड़ाके और जश्न के साथ होती है लेकिन अंत अक्सर खामोश और चुपचाप विदाई वाला होता है। मुंबई की एअर इंडिया कॉलोनियां इसका जीता जागता उदाहरण हैं। कलीना में 184 एकड़ जमीन पर फैली एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस की कॉलोनियां अब इतिहास का हिस्सा बन चुकी हैं। इनमें से पहली चार कॉलोनियां 1955 में बनी थीं। पिछले कुछ हफ्तों में इसके लगभग 150 निवासियों में से जो आखिरी लोग बचे थे उन्होंने अपने फ्लैट खाली करना शुरू कर दिया है। रविवार को यहां रहने वाले आखिरी लोग भी चले जाएंगे और मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड उस जमीन का कब्जा ले लेगा, जो उसे दो दशक पहले लीज पर दी गई थी। ये कॉलोनियां मुंबई में एअर इंडिया की आखिरी रियल-एस्टेट निशानी थीं।

1980 में हुआ विस्तार

पहली स्टाफ कॉलोनी के बाद 1980 के दशक में तीन और कॉलोनियां बनाई गईं। 1970 के दशक में नरीमन पॉइंट पर मशहूर ‘एअर इंडिया टावर’ बना। दशकों तक यह मुंबई के स्काईलाइन पर सबसे ज्यादा पहचाना जाने वाला लैंडमार्क रहा, जब तक कि 2024 में इसे राज्य सरकार को बेच नहीं दिया गया। अब 106 इमारतों में फैले 1,683 फ्लैटों वाली चार कॉलोनियां सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी को ट्रांसफर हो गई हैं। हालांकि सरकारी स्वामित्व वाली संस्थाएं हैं और एयरलाइन अब एक निजी कंपनी है, फिर भी आम जनता के लिए ये कॉलोनियां एअर इंडिया ब्रांड से ही जुड़ी हुई थीं।

लड़ी लंबी कानूनी लड़ाई

2022 में एअर इंडिया के निजीकरण के बाद चार सालों तक कर्मचारियों और उनके यूनियनों ने रिटायरमेंट तक क्वार्टर में रहने के अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी। लेबर कोर्ट से लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट तक यह लड़ाई आखिरकार सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची, जहां पिछले साल वे केस हार गए। सुप्रीम कोर्ट ने वहां रहने वालों को 30 नवंबर, 2025 तक परिसर खाली करने का समय दिया।

कॉलोनी के मैदान ने दिए कई खिलाड़ी

2022 में यहां 600 परिवार रहते थे। एअर इंडिया के ज्यादातर कर्मचारी उसके बाद के सालों में चले गए। यह कॉलोनी कभी भी महज रहने की जगह नहीं थी। इसके क्रिकेट मैदान ने जहां मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन कोचिंग कैंप और बीसीसीआई की भारतीय महिला टीम प्रैक्टिस सेशन आयोजित करती थी पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी दिए। पुरानी एअर इंडिया कॉलोनी में स्थित एक फुटबॉल मैदान ने कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। दो स्कूलों में लगभग 3,000 छात्र पढ़ते थे। ये स्कूल सरकारी सहायता प्राप्त हैं और इन्हें बेदखली के नोटिस नहीं मिले हैं, इसलिए ये चलते रहेंगे। खेल और शिक्षा के अलावा इस कॉलोनी का महत्व रणनीतिक भी था। जुलाई 2018 की बाढ़ के दौरान जब एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान रनवे से फिसल गया था तो उसे वापस लाने का काम कलिना के इंजीनियरों ने ही किया था।

बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

स्थानीय लोगों ने जताई खुशी,कहा-अब चैन से सो सकेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे - स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली पुलिस ने लौटाए 210 चोरी-गुम मोबाइल, 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 60 लाख रुपये के फोन मिले

हाजीपुर। बिहार पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत वैशाली पुलिस ने रविवार को 210 चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटा दिए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने एक कार्यक्रम आयोजित कर मोबाइल धारकों को उनके फोन वापस सौंपे। मोबाइल पाकर लोगों ने वैशाली पुलिस का आभार व्यक्त किया। एसपी सिहाग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। यह बरामदगी जिला आसूचना इकाई के साथ गठित टेक टीम द्वारा सीईआईआर (CEIR) पोर्टल के माध्यम से लगातार की जा रही है। यह टीम गुम या चोरी हुए मोबाइलों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान की शुरुआत से अब तक वैशाली पुलिस कुल 1904 मोबाइल फोन बरामद कर चुकी है, जिससे कई लोगों के चेहरे पर खुशी लौटी है। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि मोबाइल चोरी या गुम होने पर नजदीकी थाने में सनहा (शिकायत) दर्ज कराना चाहिए। इसके बाद जिला आसूचना इकाई और सभी थानों की एक टीम पोर्टल के जरिए लगातार मोबाइलों को बरामद करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसी स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं, जिसके लिए एक अलग टेक टीम बनाई गई है। एसपी सिहाग ने बताया कि इस वर्ष (2026) में अब तक कुल 941 मोबाइल फोन वास्तविक धारकों को लौटाए जा चुके हैं। इसमें 25 जनवरी को 200, 25 फरवरी को 164, 30 मार्च को 165, 29 अप्रैल को 202 और 31 मई 2026 को 210 मोबाइल शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने अधिक मोबाइल बरामदगी करने वाले थानों को पुरस्कृत भी किया। बिदुपुर थाना की पुलिस अवर निरीक्षक रचना तिवारी ने 39 मोबाइल, जंदाहा थाना की पुलिस अवर निरीक्षक शालिनी कुमारी ने 22 मोबाइल और रुस्तमपुर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अंकित कुमार ने 21 मोबाइल रिकवर कराए हैं।

प्रमुख के गाड़ी चालक को युवकों ने घसीटकर पीटा, बाइक सही से चलाने का बोलने पर विवाद

हाजीपुर। वैशाली प्रखंड प्रमुख निर्मला देवी की गाड़ी पर बदमाशों ने हमला कर दिया। इस दौरान उनकी गाड़ी का शीशा तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया और उनके स्टाफ के साथ मारपीट भी की गई। बदमाशों ने प्रमुख के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी है। यह घटना 28 मई को हुई थी। प्रमुख के घर पर काम करने वाला स्टाफ लक्ष्मण कुमार वैशाली के मदारना बाजार में राशन का सामान लेने गया था। वहां बाइक सवार दो युवकों, अंकित कुमार और आकाश कुमार (दोनों बेलसर थाना क्षेत्र के निवासी), ने उसकी स्कॉर्पियो गाड़ी में टक्कर मार दी। जब लक्ष्मण कुमार ने उन्हें बाइक सही ढंग से चलाने को कहा, तो दोनों भाइयों अंकित और आकाश ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट के बाद दोनों युवक प्रमुख के आवास पर पहुंच गए और वहां उन्होंने प्रमुख के गाड़ी चालक को घसीटकर पीटा। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर प्रमुख प्रतिनिधि मनीष तिवारी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सदर एसडीपीओ 02 गोपाल मंडल ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और जांच पड़ताल में जुट गई है।

सांसद के सामने भिड़े जदयू विधायक जिलाध्यक्ष

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी स्थित कपरपुरा रेलवे गुमटी संख्या-107 को महीनों बाद फिर से खोल दिया गया, लेकिन इसका श्रेय लेने को लेकर राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला, जिसकी चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। गुमटी खुलने के कार्यक्रम के दौरान वैशाली सांसद वीणा देवी की मौजूदगी में कांटी के जदयू विधायक अजीत कुमार और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही के बीच तीखी बहस हो गई। दोनों नेताओं के बीच हुई नोकझोंक का वीडियो भी सामने आया है। दरअसरल मामला शनिवार दोपहर का है। कपरपुरा रेलवे गुमटी को औपचारिक रूप से खोले जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लंबे समय से बंद इस रेलवे गुमटी के खुलने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल था। इसका श्रेय लेने के लिए दो नेता आपस में भिड़ गए। जिलाध्यक्ष ने सांसद वीणा देवी से कहा कि आप आगे आई। आप जनकप्रतिनिधि हैं। बाकि सब अल्लू झल्लू है। इस पर जदयू विधायक भी गुस्सा में आ गए। उन्होंने कहा कि मेरे कारण ही तुम आज यहां खड़े हो। इस पर चिराग की पार्टी के जिलाध्यक्ष ने कहा कि, चल ना तू अपना काम कर। जदयू विधायक और नाराज हो गए। इस पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि, तुम ज्यादा हल्ला करेगा। ये सब सांसद वीणा देवी की मौजूदगी में होता रहा। वहां मौजूद लोगों ने जदयू विधायक और चिराग की पार्टी की जिलाध्यक्ष को समझा-बुझाकर मामला शांत करवाया। लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही ने कहा कि कपरपुरा रेलवे गुमटी को खुलवाने के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहा था। उन्होंने दावा किया कि वैशाली सांसद वीणा देवी ने कई बार रेल मंत्री और रेलवे अधिकारियों से बातचीत की थी, जिसके बाद रेलवे ने गुमटी खोलने का निर्णय लिया। चुलबुल शाही के अनुसार, शनिवार को समस्तीपुर मंडल के अधिकारियों की ओर से गुमटी खोलने की स्वीकृति मिलने के बाद उद्घाटन का समय तय किया गया था। उनका आरोप है कि कार्यक्रम में विधायक अजीत कुमार ने सांसद की मौजूदगी पर सवाल उठाया और कहा कि उनके क्षेत्र में आने से पहले उन्हें सूचना दी जानी चाहिए थी। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। वहीं, कांटी विधायक अजीत कुमार ने कहा कि, कपरपुरा रेलवे गुमटी को खुलवाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए थे और विधानसभा से लेकर रेलवे के विभिन्न स्तरों तक इस मुद्दे को उठाया था। कार्यक्रम में उन्होंने केवल इतना कहा था कि क्षेत्र से जुड़े किसी कार्यक्रम में आने से पहले जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय होना चाहिए। इसी दौरान कुछ लोग अनावश्यक रूप से उनसे उलझ गए, जिसके कारण विवाद की स्थिति बनी।

राष्ट्रपति, पीएम और अमित शाह चखेंगे शाही लीची का स्वाद, एक महीने तक रहेगी ताजी

मुजफ्फरपुर। दुनिया भर में अपनी खास मिठास और सुगंध के लिए मशहूर मुजफ्फरपुर की शाही लीची एक बार फिर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे गणमान्य लोगों तक पहुंचने जा रही है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और अन्य विशिष्ट अतिथियों को उपहार स्वरूप भेजी जाने वाली शाही लीची की तैयारी पूरी कर ली गई है। शनिवार को विशेष रेफ्रिजरेटेड वैन के जरिए करीब 2000 पैकेट शाही लीची दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना किए जाएंगे। जिला प्रशासन की देखरेख में वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए इस बार भी मुजफ्फरपुर की जीआई टैग प्राप्त शाही लीची देश के गणमान्य लोगों तक पहुंचेगी। इसके लिए लीची की तुड़ाई, चयन, प्रोसेसिंग और पैकिंग का काम कई दिनों से चल रहा था, जिसे अब अंतिम रूप दे दिया गया है। मुजफ्फरपुर की पहचान बन चुकी शाही लीची को हर वर्ष देश के प्रमुख संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को भेजा जाता है। जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य न केवल इस विशेष फल का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि मुजफ्फरपुर की कृषि विरासत और वैश्विक पहचान को भी मजबूत करना है। इस वर्ष दो-दो किलो के करीब 2000 विशेष पैकेट तैयार किए गए हैं। शाही लीची को सीधे बागानों से चुनने के बाद उसकी गुणवत्ता और आकार के आधार पर चयन किया जाता है। इसके बाद लीची की सफाई, धुलाई और विशेष तापमान पर प्री-कूलिंग की प्रक्रिया पूरी की जाती है। फिर अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रखने के बाद विशेष पैकेजिंग की जाती है ताकि लीची की ताजगी और स्वाद बरकरार रहे। पूरी प्रक्रिया नियंत्रित तापमान वाले कूलिंग रूम में की जाती है। इसके बाद पैकेटों को उपहार स्वरूप आकर्षक तरीके से तैयार कर रेफ्रिजरेटेड वैन में लोड किया जाता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोगों तक शाही लीची पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया जिला प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जाती है।

उत्पात टीम से झड़प करने वाले 4 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

रेल पुलिस ने महिला सहित चार अंतरजिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में जहाना खातून उर्फ खुशबू, अंकित कुमार, वीरेंद्र कुमार उर्फ लालू और रंजन शर्मा है। पुलिस ने इनके पास से 6 मोबाइल फोन, दो बाइक और 3.27 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है। रेल डीएसपी कंचन राज ने बताया कि यह घटना 27 मई को हुई थी। ट्रेन संख्या 12336 भागलपुर एलटीटी दिलदारनगर से दानापुर की ओर जा रही थी। बक्सर से खुलने के बाद उत्पात टीम ट्रेन में शराब तस्करी के खिलाफ जांच कर रही थी।

जांच के दौरान टीम ने एक महिला को पकड़ा, जिसके बाद उसके अन्य साथियों के साथ उत्पात टीम की हाथापाई और झड़प हो गई। इसी बीच, तस्करों ने कुशलपुर हाल्ट के पास ट्रेन की चेन पुलिंग कर मौके से फरार हो गए थे। मामला बक्सर का है। दानापुर में रविवार को रेल पुलिस ने पीसी कर जानकारी दी है।

14 अज्ञात पर एफआईआर हुई थी: घटना को लेकर बक्सर रेल थाना में खुशबू उर्फ जहाना खातून सहित 14 अज्ञात लोगों के खिलाफ कांड संख्या 116/26 दर्ज किया गया था। रेल पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित एसआईटी टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर, नामजद महिला तस्कर को पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर तीन अन्य पुरुष तस्करों को भी पकड़ा गया।

फरार चल रहे अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सभी गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

❑ ट्रेन में हाथापाई के बाद फरार हो गए थे सभी, अन्य की गिरफ्तारी के लिए चल रही छापेमारी

गले में दुपट्टा फंसने से नाबालिग की मौत मवेशी चराने के लिए घर से निकला था

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में 14 साल के किशोर की मौत हो गई। मृतक सुदर्शन मांझी का बेटा आदित्य कुमार है। जो आम के बगीचे में बकरी चराने गया था। उसके साथ गांव के और भी नाबालिग गए थे। आदित्य के पास एक दुपट्टा भी था। झूला झूलने के लिए दुपट्टे को वो आम के पेड़ पर बांध रहा था। इसी दौरान दुपट्टा उसके गले में फंस गया। गला दबने से उसकी हालत खराब हो गई। वो वही गिर गया। बाकी बच्चे दौड़कर गांव पहुंचे और लोगों को जानकारी दी। ग्रामीण जब तक आदित्य के पास पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गई। घटना मझौली गांव की है।

किसी ने इस घटना की सूचना फुलवारी शरीफ थाने को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कोशिश की, लेकिन परिवार के लोग शुरुआत में इसके लिए तैयार नहीं थे। परिजनों को समझाने में पुलिस को लगभग 3 घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। काफी समझाने के बाद परिवार के सदस्य राजी हुए, जिसके बाद आदित्य के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया गया।

♦ खेलने के लिए आम के पेड़ पर झूला बना रहा था

फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस को हादसे की सूचना मिली है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेजा गया है। सूचना मिलते ही मैनपुर अंडा पंचायत के मुखिया सुनील यादव और सरपंच मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की। जिला प्रशासन और सरकार से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

रोहिणी बोलीं- हिम्मत है तो सरकार जबरन बंगला खाली करवाए

एजेंसी, पटना

पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के नोटिस पर लालू परिवार सरकार के खिलाफ एकजुट दिख रहा है। इस मुद्दे पर लालू यादव की बेटी अब रोहिणी आचार्य भी खुलकर सामने आई हैं। रोहिणी ने सरकार को चैलेंज देते हुए सोशल मीडिया X पर लिखा, 'अगर हिम्मत है तो जबरन बंगला खाली करवाए सरकार...।' उन्होंने लिखा कि जनता को मुद्दे से भटकाने के लिए सरकार इस तरह की दबंगई कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याएं सुलझाने में नाकाम रही है, लेकिन विपक्षी नेताओं को परेशान करने में पूरी ताकत लगा रही है। उनके मुताबिक यह सुशासन मॉडल नहीं, बल्कि बदले की राजनीति का मॉडल है। इधर, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी राबड़ी आवास खाली कराए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। पप्पू यादव ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी राबड़ी देवी आपके लिए भी मां के समान हैं उनका अपमान मत करिए। अहंकार छोड़ दीजिए।' भवन निर्माण विभाग की ओर से पूर्व CM राबड़ी देवी को 20 साल पुराना सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। विभाग का राबड़ी देवी को ये तीसरा नोटिस है। नोटिस में कहा गया है कि ये आवास अब डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन (पशुपालन) मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित है। बिहार चुनाव-2025 के बाद ही राबड़ी देवी को नया 39 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया था। इस पर राबड़ी देवी ने कहा, '10 सर्कुलर रोड वाला अवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे।

ट्रेन में मिली लाश अकड़ चुकी थी, कोच अटेंडेंट ने कहा- प्रयागराज के बाद कोच खाली हो गया था

एजेंसी, पटना

पुणे-दानापुर स्पेशल (01449) शनिवार को लाश मिली थी। ट्रेन पुणे से चलकर दानापुर रेलवे स्टेशन पर दिन के 11 बजे पहुंची थी। प्लेटफार्म नंबर-2 पर खड़ी थी। डेढ़ घंटे तक किसी को पता नहीं चला कि बंद कोच में लाश है। दोपहर साढ़े 12 बजे सफाईकर्मी महिला कोच के पास पहुंचे तो वो अंदर से बंद था। इसके बाद आरपीएफ की टीम पहुंची। इमरजेंसी विंडो से देखा तो युवक की लाश बेल्ट से लटकी है। FSL की टीम बुलाई गई। टीम ने RPF-GRP को बताया कि कुछ घंटे पहले मौत हुई है। बॉडी पूरी तरह से अकड़ गई है। वहीं, रेल पुलिस के अनुसार कोच अटेंडेंट आकाश-नीतीश ने जानकारी दी थी कि प्रयागराज के बाद कोच पूरी तरह से खाली हो गया था।

दानापुर में नहीं हुई घटना: GRP मानकर चल रही है कि दानापुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी में घटना नहीं हुई है। ऐसा इसलिए क्यों कि स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में कोई संदिग्ध कोच के अंदर जाता नहीं दिख रहा है। जिस युवक की बॉडी मिली है, वो भी कोच में जाता नहीं दिखा है। दानापुर GRP ने प्रयागराज RPF और GRP से संपर्क कर पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। शव की पहचान के लिए भी बातचीत हुई है।

लेट से पहुंची थी गाड़ी: यह ट्रेन पुणे से चलकर दानापुर पहुंचती है। ट्रेन को शुक्रवार रात 2:45 में पहुंचना था, पर ट्रेन देरी से शनिवार सुबह करीब 11:15 बजे स्टेशन पहुंची। घटना के कारण ट्रेन का रेक भी देर से तैयार हो सका, जिससे दानापुर से वापसी में ट्रेन करीब सवा 2 बजे रवाना हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवक के पास सिर्फ रूमाल मिला था: युवक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। पहचान अभी नहीं हुई है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल या अन्य सामान बरामद नहीं हुआ। जेब से केवल एक रूमाल मिला है। पैर भी खाली थे। न चप्पल पहना था और न जूता। युवक ने मैरून रंग की टी-शर्ट और काले रंग की जींस पहन रखी थी। अभी तक युवक के शव की पहचान नहीं हो पाई है। बॉडी मोर्चरी में रखी गई है। इधर, दोनों कोच अटेंडेंट से पूछताछ की तैयारी है। क्योंकि इनलोगों ने ही कोच खाली होने की जानकारी रेलवे को दी थी।

♦ दानापुर में मौत नहीं

इलाहाबाद के बाद कोच में कोई नहीं चढ़ा: रेल डीएसपी कंचन राज ने बताया था कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इलाहाबाद से ट्रेन खुलने के बाद संबंधित बोगी में कोई यात्री नहीं चढ़ा था और ट्रेन का दरवाजा बंद था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। युवक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही।

एलएनजेपी में 7 दिन से एक्सरे-ईसीजी मशीन खराब, जांच में देरी से इलाज समय पर नहीं

एजेंसी, पटना

पटना का एलएनजेपी (लोकनायक जयप्रकाश नारायण) अस्पताल, जहां पिछले 7 दिन से एक्स-रे और ईसीजी मशीन खराब है। इस वजह से मरीजों को परेशानी हो रही है। यहां हर दिन करीब 300 मरीज आते हैं। जिन्हें सुविधा नहीं मिल रही है। मजबूर होकर मरीज निजी जांच केंद्र जा रहे हैं। जहां उन्हें जांच के लिए 350 रुपए तक लग रहे हैं, जबकि एलएनजेबी अस्पताल में ये सुविधा फ्री में मिलती है। मरीजों ने आरोप लगाया कि समय पर जांच नहीं होने से इलाज में भी देरी हो रही है।

दूर से आने वाले मरीज होते परेशान: एलएनजेपी अस्पताल में कई ऐसे मरीज हैं जो लंबी दूरी से पहुंचते हैं। जब उन्हें पता चलता है कि जांच की मशीनें खराब हैं तो वे काफी परेशान होने लगते हैं। फिर वे अपने परिजन के साथ निजी जांच केंद्र की तलाश में लग जाते हैं। अनजान जगह होने के कारण निजी जांच केंद्र जाने में थोड़ी परेशानी भी होती है। आने-जाने के खर्च और जांच के खर्च को मिलाकर 700 रुपए लग जाते हैं, जबकि मरीज एलएनजेपी में फ्री सुविधा सोचकर आते हैं।

जांच के लिए भटकना पड़ रहा: मरीज के परिजन चंदन कुमार ने बताया कि मशीनें खराब होने की वजह से बहुत दिक्कत हो रही है। नई मशीनें लानी चाहिए, ताकि मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

2-3 दिन में समस्या खत्म हो जाएगा: एलएनजेपी के डायरेक्टर डॉ. राकेश चौधरी बताया कि खराब मशीनों की जानकारी मुझे नहीं दी गई थी। फिलहाल मिलाजुला कर काम हमलोग कर लेते है। जल्द ही मशीन ठीक करा ली जाएगी। एक्स-रे पिछले एक सप्ताह से खराब है उसमें कुछ विशेष तार की जरूरत है। जो इम्पोर्ट होकर आएगा तब बदला जाएगा। तब तक के लिए वैकल्पिक मशीन की व्यवस्था की गई है। हालांकि उससे काम नहीं हो रहा, अगले 2 से 3 दिन में सब ठीक हो जाएगा।

फतुहा फोरलेन पर युवक को गोली मारी, वारदात के बाद अपराधी फरार

5 किमी बाइक चलाकर जख्मी युवक पुलिस के पास पहुंचा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के फतुहा और खुसरूपुर थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बंजारा होटल के पास रविवार को एक युवक को गोली मार दी गई। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल की पहचान नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के पती बीघा निवासी उपेंद्र प्रसाद के 27 वर्षीय पुत्र विकास कुमार उर्फ सिकंदर के रूप में हुई है।

तीन अज्ञात लोगों ने मारी गोली: घायल विकास कुमार ने पुलिस को बताया कि वह अपने काम से जा रहा था, तभी तीन अज्ञात अपराधियों ने उसे घेर लिया और गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है।

गोली लगने के बावजूद विकास कुमार ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी बाइक से करीब पांच किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर एक पुलिस वाहन के पास पहुंच गया। उसकी गंभीर हालत देखकर पुलिसकर्मियों ने उसे तत्काल फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने विकास की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया।

पटना जू में चलेगी ईको फ्रेंडली टॉय ट्रेन, जुलाई से ट्रैक बिछेगा

एजेंसी, पटना

पटना जू में ईको-फ्रेंडली ट्रेन चलेगी। जुलाई महीने से ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो जाएगा। इसे बिछाने में 4 से 5 महीने लगेंगे और साल के अंत तक इस पर रेल सेवा शुरू कर दी जाएगी। ट्रेन के लिए इंजन और बोगी पहले मैसूर से आने वाली थी, लेकिन अब समस्तीपुर रेल फैक्ट्री में तैयार की जाएगी। दानापुर रेल मंडल की ओर से 3.7 किमी लंबा नया ट्रैक बनाया जाएगा। प्रशासन ने 5 करोड़ 81 लाख 73 हजार की राशि दानापुर रेल मंडल को ट्रांसफर कर दी है। रेलवे की ओर से जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया गया है।

ट्रेन में कुल 4 बोगियां होंगी, एक साथ 120 यात्री करेंगे सफर: पर्यावरण और वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए बैटरी से संचालित ईको फ्रेंडली इंजन का इस्तेमाल होगा। ट्रेन में कुल 4 बोगियां होंगी। इसमें हर में 20 से 30 यात्रियों को बैठने की क्षमता होगी। ट्रेन चिल्ड्रेन स्टेशन से शुरू होकर हाइना पिंजरा, जू हास्पिटल, शेर, बाघ और भालू के बाड़ों से गुजरते हुए पक्षी पिंजरे तक जाएगी। पर्यटक को पूरे जू का भ्रमण करने के दौरान नया अनुभव मिलेगा। हर दिन 5 से 10 हजार दर्शक पटना जू आते हैं। इस काम में देरी पर जू के एक अधिकारी ने बताया कि पहले से बिछे ट्रैक में कर्व अधिक है। खासकर जिराफ के इनक्लोजर के पास यह बहुत तीखा है। इसलिए विशेषज्ञ पहले के ट्रैक से अधिक चौड़ी पटरी बिछाना चाहते थे। कम चौड़े ट्रैक पर घुमाव के दौरान ट्रेन के डिरेल का खतरा रहता है।

जदयू में विधान परिषद चुनाव पर हो रहा मंथन

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर रविवार सुबह से ही जदयू के शीर्ष नेताओं के बीच लगातार बैठकों का दौर जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुबह सबसे पहले डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पहुंचे। विधान परिषद चुनाव और संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा होने की बात कही जा रही है। इसके बाद संजय झा भी 7 सर्कुलर रोड स्थित नीतीश कुमार के आवास पहुंचे, जहां दोनों नेताओं के बीच चुनावी रणनीति और संगठन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक विधान परिषद की 10 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन और सहयोगी दलों के साथ तालमेल को लेकर मंथन किया गया।

वहीं, अब राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पर जदयू नेताओं की बैठक हुई। बैठक में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी पहुंच चुके हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में विधान परिषद चुनाव की रणनीति, संभावित नामों और आगे की राजनीतिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हो रही है।

NDA में सीट बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय: विधान परिषद की 9 सीटें खाली हो रही हैं, जबकि एक सीट पर उपचुनाव होना है। इस तरह कुल 10 सीटों पर चुनाव होगा। सूत्रों के मुताबिक एनडीए में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है। जेडीयू के कब्जे वाली चारों सीटें पार्टी के पास ही रहेंगी। वहीं भाजपा के हिस्से में इस बार तीन सीटें आने की संभावना है। शेष दो सीटों में एक एलजेपी (रामविलास) और एक राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी जा सकती है। एनडीए के सभी घटक दलों में लगातार मंथन चल रहा है और जून के पहले सप्ताह में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हो सकती है।

भाजपा ने 3 सीटों के लिए 12 नाम दिल्ली भेजे: भाजपा ने अपने हिस्से की संभावित तीन सीटों के लिए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 65 लोगों ने आवेदन किया था। सात चरणों की स्क्रूटनी के बाद भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने 12 नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया है। अब भाजपा की संसदीय समिति इन नामों में से तीन उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम फैसला करेगी।

♦ संजय झा के आवास पर नेताओं की हुई बैठक, डिप्टी सीएम-ललन सिंह भी मौजूद

इन नामों की सबसे अधिक चर्चा: दिल्ली भेजे गए नामों में राकेश कुमार सिंह, प्रेम रंजन पटेल, सरोज रंजन पटेल, अनामिका पासवान, संजय मयूख, राजेंद्र वर्मा, ललन मंडल, बलराम मंडल, लाजवंती झा, राजेंद्र सिंह, बृजेश रतन और मितलेश रजक शामिल हैं। भाजपा सामाजिक और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अंतिम उम्मीदवारों का चयन कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

वाहन जांच में चोरी की बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। बाइक चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पचपकड़ी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पचपकड़ी थाना क्षेत्र के भंडार चौक के पास वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल की एचएचडी मशीन से जांच की गई। जांच में वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर अलग-अलग पाया गया। सत्यापन के दौरान मोटरसाइकिल चोरी की निकली। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ नौशाद (पिता- मोहम्मद गफूर), निवासी- भंडार, थाना- पचपकड़ी, जिला- पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पचपकड़ी थाना कांड संख्या 93/26 दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

महाकुर्की अभियान के तहत 10 कुर्की का निष्पादन, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया। पुलिस मुख्यालय, बिहार पटना के निर्देश पर रविवार को पश्चिम चंपारण जिले में विशेष महाकुर्की अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हत्या, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट, शराब तस्करी एवं अन्य गंभीर मामलों में वांछित कुख्यात अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा उन अपराधियों के ठिकानों पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई, जिन्होंने अब तक न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं किया है। जिलेभर में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। बेतिया पुलिस के अनुसार, 31 मई 2026 को चलाए गए अभियान के तहत कुल 10 कुर्की वारंटों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा विभिन्न मामलों में 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार एवं वांछित अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अभियान के माध्यम से अपराधियों में कानून का भय उत्पन्न करने तथा उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है। बेतिया पुलिस ने आमजन से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

तस्करी के लिए ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया|गुप्त सूचना के आधार पर नौरंगिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तस्करी के लिए ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब बरामद की है। इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, नौरंगिया थाना के एएसआई धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ मदनपुर-पनियहवा रोड के समीप नाकेबंदी की। जांच के दौरान पुलिस ने शराब की खेप के साथ दो तस्करों को धर दबोचा। बरामद शराब में 450 पीस 8 पीएम, 48 पीस किंगफिशर कैन बीयर तथा ब्लेंडर्स प्राइड की दो बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने एक न्यू अपाचे और एक हीरो होंडा ग्लैमर मोटरसाइकिल भी जब्त की है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान लाल बाबू महतो, पिता रामायण महतो, निवासी बखरी तथा नीतीश कुमार, पिता उमेश यादव, निवासी सीतापुर बलुआ, नरकटियागंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान एक अन्य तस्कर मौके से फरार हो गया। उसकी पहचान निक्कू यादव, पिता रंगीला यादव, निवासी बसंतपुर, थाना शिकारपुर के रूप में की गई है। पुलिस पहले से भी उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तार दोनों तस्करों को बरामद शराब के साथ थाना लाया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एल.एन.डी. कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे (एल.एन.डी.) कॉलेज के सेमिनार हॉल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा रविवार को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "तंबाकूः हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए एक खतरा" रखी गई थी। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने तंबाकू के दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए आकर्षक और संदेशपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में आदिरा शर्मा ने प्रथम, राजनंदनी कुमारी ने द्वितीय तथा ऋचा कुमारी और मुस्कान कुमारी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने तंबाकू से दूर रहने और समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। अपने संबोधन में डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि तंबाकू किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और जानलेवा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस सामाजिक बुराई से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में स्वयंसेवक माही, शिवांगी, लक्की, अभिषेक, आदित्य सिंह, ऋतु और साहिल सहित कई छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

छात्र की पिटाई मामले में शिक्षक निलंबित, डीईओ ने जारी किया आदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। कल्याणपुर प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय गवंद्रा में छात्र की पिटाई के आरोप में शिक्षक कौशल किशोर सिंह को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), पूर्वी चंपारण ने 29 मई 2026 को आदेश जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्र की पिटाई से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने तथा समाचार प्रकाशित होने के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच के क्रम में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, कल्याणपुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में संबंधित शिक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त कर कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाए जाने पर बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के प्रावधानों के तहत शिक्षक कौशल किशोर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, चिरैया का कार्यालय निर्धारित किया गया है। साथ ही, इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। विभाग की ओर से बताया गया है कि शिक्षक के विरुद्ध आरोप पत्र अलग से जारी किया जाएगा। इस कार्रवाई के साथ शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में छात्रों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा तथा दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर स्वास्थ्यकर्मियों ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में शनिवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों एवं आमजनों ने तंबाकू और धूम्रपान से दूर रहने की शपथ ली। सदर अस्पताल मोतिहारी सहित कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। चिरैया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्याम कुमार पासवान ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के खतरों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि परिवार की खुशियों और बेहतर स्वास्थ्य के लिए तंबाकू की आदत छोड़ना जरूरी है तथा लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने पर जोर दिया। चिरैया आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में रोगी हितधारक मंच के सदस्यों और स्वास्थ्यकर्मियों ने तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रानी कुमारी चौरसिया और एएनएम रागिनी कुमारी ने तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी। सीएचओ रानी कुमारी चौरसिया ने बताया कि तंबाकू सेवन फेफड़ों के रोग, टीबी, दमा, फेफड़ों के कैंसर और मुख कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि भारत में होने वाले लगभग 30 प्रतिशत कैंसर के मामलों का संबंध तंबाकू सेवन से है। कार्यक्रम के अंत में लोगों से तंबाकू एवं धूम्रपान से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

एमजीसीयू और केंद्रीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक सहयोग हेतु एमओयू

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी और केंद्रीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (सीयूएचपी), धर्मशाला के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध सहयोग, कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन तथा ज्ञान साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 29 मई 2026 को हुए इस समझौते पर एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और केंद्रीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) सत प्रकाश बंसल ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालय कौशल विकास एवं उद्यमिता से जुड़े कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से संचालन करेंगे। इसके अलावा सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम, समर स्कूल, व्याख्यानमाला और संकाय विकास कार्यक्रमों का भी संयुक्त आयोजन किया जाएगा। समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान आवश्यकता के अनुसार संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे। साथ ही पुस्तकें, शोध पत्रिकाएं, शिक्षण सामग्री, प्रकाशन, रिपोर्ट और अन्य अकादमिक संसाधनों को साझा किया जाएगा, जिससे शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह समझौता शैक्षणिक नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति दोनों विश्वविद्यालयों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वहीं प्रो. (डॉ.) सत प्रकाश बंसल ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच ऐसी साझेदारियां ज्ञान सृजन, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह सहयोग उच्च शिक्षा, शोध, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में नई संभावनाओं को जन्म देगा। एमओयू को लेकर दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और शोधार्थियों में उत्साह का माहौल है तथा इसे शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर निगम की टैक्स वृद्धि व पेट्रोल-डीजल-सीएनजी मूल्य वृद्धि के खिलाफ ऑटो चालकों की आक्रोश सभा, 12 जून को प्रदर्शन की चेतावनी

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी । नगर निगम द्वारा टैक्स वृद्धि तथा डीजल, पेट्रोल, सीएनजी एवं एलपीजी गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में रविवार को बलुआ चौक ओवरब्रिज के नीचे स्थित पार्क में सीटू के नेतृत्व में ऑटो चालकों की एक आक्रोश सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता सीटू के जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की। सभा को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि डीजल, पेट्रोल, सीएनजी और एलपीजी गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण महंगाई चरम पर पहुंच गई है और ऑटो चालक भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी कर रही है तथा बिना पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराए ऑटो चालकों से भारी टैक्स वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी गैस की बढ़ी हुई कीमतों को शीघ्र वापस नहीं लिया गया तो ऑटो चालकों की आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो जाएगी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपने फैसले वापस नहीं लिए तो ऑटो संघ द्वारा 12 जून 2026 को जिला मुख्यालय पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार एवं जिला प्रशासन की होगी। सभा में यह भी मांग उठाई गई कि जिला प्रशासन ऑटो किराए में वृद्धि करे। वक्ताओं ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा किराया संशोधित नहीं किया गया तो संघ अपने स्तर से 20 से 25 प्रतिशत तक किराया बढ़ाने पर विचार करेगा। ऑटो चालकों ने नगर निगम द्वारा प्रतिदिन ऑटो चालकों से वसूले जा रहे 30 रुपये के शुल्क का भी विरोध किया। उनका कहना था कि शहर और जिले में आज तक कोई व्यवस्थित ऑटो स्टैंड, रैन बसेरा या शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं, इसके बावजूद वर्षों से टैक्स वसूला जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सुविधा उपलब्ध कराए बिना की जा रही वसूली तत्काल बंद की जाए, अन्यथा ऑटो चालक बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से टेंपो एवं ई-रिक्शा चालकों से टैक्स लिया जा रहा है, लेकिन बदले में कोई ठोस सुविधा नहीं दी गई है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से ऑटो चालकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। उक्त बैठक में शक्तिनाथ तिवारी, बिपीन बिहारी दुबे, पप्पू साह, फिरोज आलम, हमराज हाशमी, सलमान आलम, अशोक तिवारी, प्रमोद कुमार, वीरेंद्र शाह, राजा कुमार, सेराज, मुकेश राम, छोटन यादव, मोहम्मद हामिद, नवल दास, मोहम्मद मजीद आलम, गुड्डू कुमार, अजय कुमार, मणिभूषण कुमार, सोनू कुमार, हरेंद्र सिंह, चंदन कुमार, साबिर खान, रजनीश कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में ऑटो चालक उपस्थित थे।

कुर्की अभियान का असरः 26 मामलों का निष्पादन, 7 अभियुक्तों ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले भर में रविवार को चलाए गए विशेष कुर्की-जब्ती अभियान के तहत पुलिस ने कुल 26 मामलों का निष्पादन किया। अभियान के दौरान 16 कुर्की की कार्रवाइयां, 3 गिरफ्तारियां तथा 7 आत्मसमर्पण दर्ज किए गए। विभिन्न थाना क्षेत्रों में फरार अभियुक्तों के घरों पर पहुंचकर पुलिस ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई आरोपितों ने कानून के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के माध्यम से वांछित अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाने और जिले में अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान के दबाव में रविवार को ढाका और कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दो वांछित अभियुक्तों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, ढाका थाना क्षेत्र के सराठा गांव निवासी सलाउद्दीन राइन उर्फ मो. सलाउद्दीन ने महिला प्रताड़ना से संबंधित सीतामढ़ी टीआर संख्या-2570/24 मामले में अपने विरुद्ध चल रही कुर्की की कार्रवाई के दौरान आत्मसमर्पण किया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। वहीं, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गरीबा गांव निवासी राजकपूर सिंह ने एनडीपीएस एक्ट से संबंधित टीआर संख्या-845/24 मामले में कुर्की की कार्रवाई शुरू होते ही पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार राजकपूर सिंह के विरुद्ध लूट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट तथा उत्पाद अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के चलते फरार अपराधियों पर दबाव बढ़ा है और कई वांछित आरोपित न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आगे आ रहे हैं।

दारोगा मुख्य परीक्षा में पेपरलीक व धांधली की ईओयू जांच हो, परीक्षा रद्द की जाए: दिलीप कुमार

बीएनएम@ मोतिहारी

पटना। 27 मई को आयोजित बिहार दारोगा मुख्य परीक्षा को लेकर उठ रहे विवादों के बीच बिहार स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष एवं छात्र नेता दिलीप कुमार ने परीक्षा में पेपरलीक और धांधली-सेटिंग के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने तथा परीक्षा रद्द करने की मांग की है। रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में दिलीप कुमार ने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि दारोगा मुख्य परीक्षा में पेपरलीक और धांधली-सेटिंग की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से कराई जाए। उन्होंने कहा कि गया जिले में पुलिस ने हाईटेक तरीके से परीक्षा में सेटिंग कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोप है कि इस गिरोह द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर हल कर अभ्यर्थियों तक भेजे जा रहे थे। दिलीप कुमार ने कहा कि इस घटना से स्पष्ट होता है कि परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को प्रश्न-पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया, जबकि बाद में वही प्रश्न-पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होता देखा गया। इससे पेपरलीक की आशंका और मजबूत होती है। छात्र नेता ने मांग की कि अभ्यर्थियों के हित में दारोगा मुख्य परीक्षा को तत्काल रद्द किया जाए तथा पूरे मामले की ईओयू से निष्पक्ष जांच कराकर दोषी माफियाओं और संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि दारोगा बहाली परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा समाप्ति के बाद अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट और प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके साथ ही कुछ दिनों के भीतर उत्तर कुंजी जारी की जाए तथा परिणाम प्रकाशित होने के समय सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक भी सार्वजनिक किए जाएं।

2 जून को जिले की 71 पंचायतों में लगेगा सहयोग शिविर, समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन रहेगा मौजूद

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार सरकार के निर्देश पर आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूर्वी चंपारण जिले में दूसरे चरण का सहयोग शिविर 2 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व प्रथम चरण का सहयोग शिविर 19 मई को आयोजित किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार जिले के सभी प्रखंडों की कुल 71 पंचायतों में पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि उन्हें आवंटित प्रखंडों एवं पंचायतों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सहयोग शिविर के सफल आयोजन एवं प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निष्पादन को सुनिश्चित करें। प्रशासन ने बताया कि सहयोग शिविर से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1100 पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा विभागीय पोर्टल sahyog.bihar.gov.in पर ऑनलाइन परिवाद भी दर्ज कराया जा सकता है। दर्ज परिवादों का निष्पादन 30 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा।

इन प्रखंडो के पंचायतों में आयोजित होगा सहयोग शिविर-2 जून को आदापुर, छौरादानो, रामगढ़वा, रक्सौल, बनकटवा, चिरैया, ढाका, घोड़ासहन, मधुबन, पकड़ीदयाल, पताही, फेनहारा, तेतरिया, बंजरिया, कोटवा, मोतिहारी, पिपरा कोठी, सुगौली, तुरकौलिया, चकिया, कल्याणपुर, केसरिया, मेहसी, अरेराज, हरसिद्धि, पहाड़पुर एवं संग्रामपुर प्रखंडों की चयनित पंचायतों में सहयोग शिविर लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिविर आयोजन से पूर्व अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किए जाएं तथा सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

किराना दुकान से 225 ग्राम गांजा बरामद, दुकानदार गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज/पहाड़पुर। सूखा नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पहाड़पुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक किराना दुकान से 225 ग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के लौकहा गांव में स्थित एक किराना दुकान से मादक पदार्थों का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दुकान से कुल 225 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने उमाशंकर सिंह (पिता- स्वर्गीय जगरनाथ सिंह), निवासी- लौकहा, थाना- पहाड़पुर, जिला- पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद गांजा को जब्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सूखा नशा के खिलाफ अभियान लगातार जारी है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाइक के फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का खुलासा, एक गिरफ्तार

बीएनएम@ ढाका। वाहन जांच अभियान के दौरान ढाका थाना पुलिस ने एचएचडी (HHD) मशीन की मदद से एक मोटरसाइकिल पर लगे फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का खुलासा करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ढाका थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल की एचएचडी मशीन से जांच की गई। जांच में वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर रिकॉर्ड से भिन्न पाया गया। पूछताछ में बाइक चला रहे समसे आलम (पिता- मो. गफ्फार), निवासी- चैनपुर ढाका, थाना- ढाका ने बताया कि उसने यह मोटरसाइकिल लगभग दो माह पूर्व अखलाख, निवासी- बहलोलपुर, थाना- ढाका से खरीदी थी। जांच के बाद पुलिस ने मोटरसाइकिल को विधिवत जब्त कर लिया तथा समसे आलम को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि वाहन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा और फर्जी दस्तावेजों अथवा चोरी के वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सम्राट चौधरी के शेखपुरा आगमन को लेकर तैयारियां तेज

बीएनएम@ शेखपुरा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 2 जून को प्रस्तावित सामस विष्णु धाम दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कार्यक्रम स्थल की तैयारियों तक सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की टीम लगातार मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा ले रही है।जिलाधिकारी शेखर आनंद और पुलिस अधीक्षक बलिराम कुमार चौधरी स्वयं बरबीघा प्रखंड के सामस गांव स्थित विष्णु धाम में तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं एवं आम लोगों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु धाम में पूजा-अर्चना करेंगे तथा जनता से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है, वहीं प्रशासन किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए हर पहलू पर विशेष नजर बनाए हुए है।

मोहनपुर गोलीकांड में फरार अभियुक्त के घर इश्तेहार चस्पा

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहनपुर थाना क्षेत्र के डुमरी दक्षिणी पंचायत अंतर्गत चपरा गांव में होली के दिन हुई गोलीबारी की घटना में फरार चल रहे नामजद अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है। न्यायालय के आदेश पर रविवार को मोहनपुर थाना पुलिस ने अभियुक्त के घर पहुंचकर इश्तेहार चस्पा किया और निर्धारित समय के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहनपुर थाना कांड संख्या 48/25 में चपरा गांव निवासी राजीव राय (पिता- महेश राय) को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। आरोप है कि 14 मार्च 2025 को होली के दिन गांव के ही पप्पू कुमार राय पर जानलेवा हमला करते हुए गोलीबारी की गई थी। इस मामले में पीड़ित पक्ष के आवेदन पर मोहनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें कुल पांच लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। घटना के बाद से राजीव राय लगातार फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा कई बार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन वह पुलिस की पकड़ से बाहर है। अभियुक्त के लगातार फरार रहने के कारण न्यायालय ने उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी किया।रविवार को अनुसंधानकर्ता सह अपर थानाध्यक्ष विनय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम अभियुक्त के घर पहुंची और न्यायालय के आदेशानुसार इश्तेहार चस्पा किया। इश्तेहार के माध्यम से अभियुक्त को निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस पदाधिकारियों ने बताया कि यदि अभियुक्त तय समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके विरुद्ध न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

डाटा ऑपरेटरों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@ बगहाः वाल्मिकीनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा को उनके आवास पर शनिवार को बीआरसी भवन मधुबनी में कार्यरत सभी डाटा इंट्री ऑपरेटरों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। डाटा इंट्री ऑपरेटर नीतीश कुशवाहा, पुष्कर मिश्रा, रवि शंकर सिंह, अर्जुन यादव, रफीक आदि ने बताया कि बीआरसी भवन में सभी बच्चों से लेकर शिक्षक तक का डाटा इंट्री का कार्य किया जाता हैं। हमलोग पूरी मेहनत व लगन के साथ सरकार के कार्यों को करते हैं। परंतु सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय न्यूनतम मजदूरी से भी कम है। डाटा ऑपरेटरो ने बताया कि सिर्फ 10 हजार ही मानदेय दिया जाता हैं। जिससे परिवार का भरण पोषण भी नहीं हो पाता है। सभी डाटा इंट्री ऑपरेटरों ने मांग किया कि सरकार द्वारा हम सभी को श्रम विभाग बिहार सरकार द्वारा मानक के अनुसार कम से कम 18 हजार रुपए मानदेय दिया जाय।

पुलिस की सक्रियता से खोया हुआ बच्चा परिवार से मिला

बीएनएम@ शेखपुरा। चांदनी चौक निवासी बीरु मल्लिक का 7 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार अपने मां के साथ ननिहाल जाने के दौरान ट्रेन में सो गया और सोये अवस्था में तिलैया स्टेशन पहुँच गया. तिलैया रेल पुलिस ने शेखपुरा के ही एक व्यक्ति के हवाले बच्चे को कर दिया जिसके बाद उक्त व्यक्ति ने बच्चे को शेखपुरा टाउन थाना पहुंचाया। जहाँ पत्रकारों ने बच्चे के गुमसुदगी की खबर सोशल मीडिया में प्रमुखता से चलाया तो पता लगा की बच्चा चांदनी चौक स्थित एक किराए के मकान में बीरु मल्लिक रहता है और यह उसी का पुत्र शिवम कुमार है। जिसके बाद टाउन थाना के महेश कुमार और सशस्त्र बलों के द्वारा उसके घर पर बच्चे को ले जाया गया। जहाँ उसकी मां रीना देवी ने बच्चे को पहचाना और कागजी प्रक्रिया पूरा करने के बाद बच्चे को परिवार के हवाले कर दिया गया। बच्चे के परिजनों ने पुलिस और मीडिया को बच्चा मिलने के बाद धन्यबाद दिया है।

नेपाल में ब्राउन शुगर का बढ़ता जाल

खुली सीमा, बढ़ती तस्करी और पुलिस की चुनौतीः नेपाल में ब्राउन शुगर कारोबार के फैलते नेटवर्क पर विशेष रिपोर्ट

सागर सूरज

बीरगंज (नेपाल)। भारत-नेपाल सीमा पर लगातार हो रही मादक पदार्थों की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी यह संकेत देती है कि सीमापार नशीले पदार्थों का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई में बड़ी मात्रा में ब्राउन शुगर, गांजा और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ पकड़े जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय अवैध नेटवर्क द्वारा तैयार या संग्रहित नशीले पदार्थों के लिए भारत एक प्रमुख बाजार के रूप में उभर रहा है।

हालांकि नेपाल सरकार और पुलिस तंत्र इस कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चला रहे हैं, लेकिन सीमावर्ती और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में ड्रग्स माफियाओं की बढ़ती पैठ कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है।

यही कारण है कि मादक पदार्थों की तस्करी अब केवल अपराध का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह दोनों देशों की सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बन चुकी है।

नेपाल में ब्राउन शुगर (ब्राउन हेरोइन) की तस्करी और इसके बढ़ते सेवन ने कानून-व्यवस्था तथा स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

हाल के महीनों में भारत सहित नेपाल के विभिन्न सीमावर्ती जिलों में पुलिस ने कई बड़ी कार्रवाइयाँ करते हुए मादक पदार्थों की खेप बरामद की है और अनेक तस्करों को गिरफ्तार किया है।

अप्रैल 2026 में नेपाल के मोरंग जिले के रतुवामाई क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को लगभग 448 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार नेपाल के बांके जिले के नेपालगंज और झापा जिले में भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सैकड़ों ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की तथा कई संदिग्ध तस्करों को पकड़ा। भारत के पूर्वी चम्पारण मे भी ब्राउन शुगर की कई जप्तियां हाल के दिनों मे चिंता की कारण बनी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ब्राउन शुगर का कारोबार अब छोटे स्तर की तस्करी तक सीमित नहीं रहा। यह एक संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों का उपयोग परिवहन मार्ग के रूप में किया जाता है। तस्करों की बढ़ती सक्रियता के कारण पुलिस को रातभर गश्त और निगरानी बढ़ानी पड़ रही है।

नेपाल के मोरंग में विशेष अभियान- मोरंग जिला हाल के वर्षों में मादक पदार्थों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। बढ़ती समस्या को देखते हुए पुलिस ने "ड्रग फ्री मोरंग अभियान" चलाया। एक माह के अभियान के दौरान 821 ग्राम ब्राउन शुगर, 92 किलोग्राम गांजा, विभिन्न प्रतिबंधित दवाइयाँ और अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। इस दौरान 436 लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि कई लोगों को परामर्श देकर उनके परिवारों को सौंपा गया तथा कुछ को पुनर्वास केंद्र भेजा गया।

इसके बाद मई 2026 में नेपाल मे प्रदेश स्तर पर एक व्यापक मादक पदार्थ विरोधी अभियान शुरू किया गया, जिसका मुख्य लक्ष्य ब्राउन शुगर के बढ़ते नेटवर्क पर नियंत्रण पाना है। पुलिस का मानना है कि केवल कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी भी आवश्यक है।

बढ़ते आंकड़े, बढ़ती चिंता- वित्तीय वर्ष 2024/25 में नेपाल भर में 5,061 मादक पदार्थ संबंधी मामले दर्ज हुए, जिनमें से 1,437 मामले केवल कोशी प्रदेश में दर्ज किए गए। इसी अवधि में देशभर में 7,890 लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें 2,203 लोग कोशी प्रदेश से थे।

पुलिस के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में ब्राउन शुगर की बरामदगी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां कुछ वर्ष पहले इसकी बरामद मात्रा सीमित थी, वहीं अब यह कई गुना बढ़ चुकी है। इससे संकेत मिलता है कि तस्करी और खपत दोनों में वृद्धि हुई है।

अरबों का अवैध कारोबार- नेपाल पुलिस के आंकड़ों के अनुसार ब्राउन शुगर की कीमत स्थानीय बाजार में लगभग 8,000 से 12,000 नेपाली रुपये प्रति ग्राम तक पहुंच सकती है। इस आधार पर एक किलोग्राम ब्राउन शुगर की कीमत करोड़ों रुपये में होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस द्वारा जब्त की गई मात्रा वास्तविक कारोबार का केवल एक हिस्सा होती है। इसलिए इस अवैध व्यापार का आर्थिक आकार काफी बड़ा माना जा रहा है।

समाज पर गंभीर प्रभाव- नेपाल के गृह मंत्रालय द्वारा कराए गए राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार देश में मादक पदार्थों के उपयोगकर्ताओं की संख्या एक लाख से अधिक थी और समय के साथ इसमें वृद्धि होने के संकेत मिले हैं। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों का सेवन चोरी, लूट, पारिवारिक विवाद, बेरोजगारी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अन्य अपराधों को बढ़ावा देता है।

जेलों के आंकड़े भी चिंता बढ़ाते हैं। वर्तमान में नेपाल की जेलों में बंद कैदियों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थ संबंधी मामलों में निरुद्ध है। इससे स्पष्ट होता है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भी बड़ी चुनौती बन चुका है।

नेपाल पुलिस मुख्यालय के अनुसार आने वाले समय में मादक पदार्थ विरोधी अभियान को देश के अन्य जिलों तक विस्तारित किया जाएगा। इसके तहत तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ नशा पीड़ितों के पुनर्वास और जागरूकता कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रभावी नियंत्रण के लिए कानून-प्रवर्तन, सामाजिक जागरूकता और सरकारी निवेश तीनों की समान रूप से आवश्यकता है।

डुमरियाघाट में गृहभेदन एवं चोरी कांड का सफल उद्भेदन : दो शातिर चोर गिरफ्तार, भारी मात्रा में सोना-चांदी बरामद

- » सीसीटीवी और तकनीकी जांच से खुला चोरी का राज, दो गिरफ्तार
- » डुमरियाघाट गृहभेदन कांड में पुलिस का बड़ा एक्शन, कई चोरी मामलों से जुड़े तार,
- » चोरी के सामान के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, ज्वेलर्स प्रतिष्ठान से भारी बरामदगी

बीएनएम @ डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। जिले के डुमरियाघाट पुलिस को थाना कांड संख्या 150/26 दिनांक 10 मई 2026 (गृहभेदन एवं चोरी) के अनुसंधान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर चोरी की घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उनके निशानदेही पर भारी मात्रा में सोना एवं चांदी जैसी धातुओं से बने आभूषण और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी साक्ष्य, टावर डम्प विश्लेषण, मानवीय सूचना तथा अन्य अनुसंधानात्मक तथ्यों का गहन अध्ययन किया गया। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में दुखी सहनी, पिता स्व. मैनेजर सहनी है डुमरियाघाट थाना के बनपरुआ और दूसरा चंदन सहनी, पिता स्व. पन्नालाल सहनी, जो रघुनाथपुर, जिला पूर्वी चम्पारण का रहनेवाला है।

ज्वेलर्स की दुकान और आवास पर छापेमारी-गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने मोतिहारी छतौनी थाना क्षेत्र स्थित रामजी प्रसाद ज्वेलर्स के प्रतिष्ठान एवं आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान चोरी से संबंधित होने के संदेह में बड़ी मात्रा में सोना-चांदी जैसी धातुओं से बने आभूषण एवं अन्य सामग्री बरामद की गई।

बरामद सामग्री चांदी जैसा दिखने वाला 03 बिस्कुट, कुल वजन 1578 ग्राम-पिघलाया हुआ सोना जैसा दिखने वाला धातु का टुकड़ा, कुल वजन 9.50 ग्राम पुराने सोना जैसे आभूषण (नथुनी, नाक की कील, तल्ली, मंगलसूत्र, हनुमानी, अंगूठी आदि), कुल वजन 15.34 ग्राम चांदी जैसे 22 सिक्के, कुल वजन 155.93 ग्राम चांदी जैसे पायल, अंगूठी एवं अन्य टूटे हुए टुकड़े, कुल वजन 497.91 ग्राम पुलिस ने सभी बरामद सामग्रियों को विधिवत जब्त कर उनकी पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कई अन्य चोरी कांडों में भी संलिप्तता की आशंका-अनुसंधान के दौरान प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों, अभियुक्तों से पूछताछ तथा अन्य तथ्यों के आधार पर इनकी संलिप्तता जिले के कई अन्य चोरी एवं गृहभेदन मामलों में भी सामने आई है। इनमें शामिल है। डुमरियाघाट थाना कांड सं. 150/26, कल्याणपुर थाना कांड सं. 198/26, कल्याणपुर थाना कांड सं. 221/26, कल्याणपुर थाना कांड सं. 233/26, केसरिया थाना कांड सं. 152/26 इन मामलों में पुलिस द्वारा सत्यापन एवं आगे की जांच की जा रही है। अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास चंदन सहनी पूर्व में गृहभेदन एवं चोरी के मामले में जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध रघुनाथपुर थाना कांड संख्या 714/24 दर्ज है। वहीं दुखी सहनी पूर्व में हत्या के एक मामले में जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध केसरिया थाना कांड संख्या 20/2005 दर्ज है। पुलिस की कार्रवाई जारी पुलिस के अनुसार इस गिरोह से जुड़े अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी, चोरी गए शेष सामान की बरामदगी तथा अन्य कांडों में उनकी संलिप्तता की जांच अभी जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

संदिग्ध सोने के जेवरों के साथ चार महिलाएं गिरफ्तार, गिरोह से संबंध की जांच

बीएनएम@ अरेराज

अरेराज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सोनार पट्टी स्थित एक आभूषण दुकान से चार महिलाओं को संदिग्ध परिस्थितियों में गिरफ्तार किया है। उनके पास से 29 पीस सोने जैसे दिखने वाले आभूषण बरामद किए गए हैं। बरामद गहनों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी को सूचना मिली थी कि कुछ महिलाएं एक आभूषण दुकान में संदिग्ध तरीके से गहने बेचने का प्रयास कर रही हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने छापेमारी कर चारों महिलाओं को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान 10 हनुमान जी के लॉकेट, 15 कान के टॉप्स तथा दो जोड़ी बालियां बरामद की गईं। पूछताछ में महिलाएं आभूषणों के स्रोत और उनसे संबंधित दस्तावेजों की जानकारी नहीं दे सकीं। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान बेगूसराय जिले के बाघा गांव निवासी सपना देवी, सोनी देवी और पूनम देवी तथा घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बिजबनी गांव निवासी रिंकू देवी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में महिलाएं बरामद आभूषणों के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सकीं। जांच के दौरान यह भी संकेत मिले हैं कि उनका संबंध चोरी और ठगी की घटनाओं में सक्रिय किसी संगठित गिरोह से हो सकता है। पुलिस इस बिंदु पर भी गहन जांच कर रही है। पुलिस ने चारों महिलाओं के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। बरामद आभूषणों की सत्यता, उनके वास्तविक स्वामित्व तथा संभावित आपराधिक गतिविधियों से संबंध की जांच जारी है।

अपेक्षा के अनुरूप ही

सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संवैधानिक रूप से उचित है, इसको लेकर कभी किसी को शक नहीं था। निर्वाचन आयोग को यह प्रक्रिया संपन्न कराने का अधिकार है, इस पर भी कोई भ्रम कभी नहीं रहा। अब सुप्रीम कोर्ट ने यही व्यवस्था दी है, तो वह अपेक्षा के अनुरूप ही है। विवाद इसे कराने के लिए चुने गए वक्त पर था। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने का एलान निर्वाचन आयोग ने किया, तो उचित सवाल उठा कि आखिर इसकी जल्दबाजी क्यों है? क्यों नहीं यह काम तसल्ली से और सभी संबंधित पक्षों को भरोसे में लेते हुए कराया जा सकता है? जल्दबाजी के कारण मची अफरातफरी से बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा हुई। कम-से-कम पश्चिम बंगाल में ऐसा असल में हुआ, यह कहने का ठोस आधार है। इन पहलुओं को ध्यान में रखें, तो कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने जब राज्यों में चुनाव से ठीक पहले स्ट्रीमरोलर के अंदाज में कराए जा रहे एसआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, तो उसके साथ ही घटनोपरांत सुधार की गुंजाइश खत्म हो गई थी। बहरहाल, अब आए निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर के दौरान नागरिकता की जांच करने का अधिकार है। मगर तीन जजों की बेंच ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल ना करने का मतलब व्यक्तियों को उनकी नागरिकता से वंचित करना नहीं है। जिनके नाम हटाए गए, वे बाद में अपने दावे के साथ निर्णय प्रक्रिया में जा सकते हैं। मगर यह व्यवस्था समस्याग्रस्त है। सवाल है कि क्या वोट काट कर किसी वैध नागरिक को मतदान से वंचित रखने जवाबदेही तय की जाएगी और क्या इसकी कोई सज़ा होगी? ऐसा नहीं होने का मतलब क्या नागरिक के साथ अन्याय और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करना नहीं होगा?

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

ललित गर्ग

(विश्व माता-पिता दिवस- 1 जून, 2026)

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव होपाते हैं। वर्ष 2026 की थीम'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं।

ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया।

यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है।

माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे "सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

सिस्टम को हल्के में मत लीजिये

पं.नरेश शर्मा

तंत्र (सिस्टम) का राजनीतिक गठजोड़ या कतिपय कारण से तंत्र का प्रभावित होना न्याय व्यवस्था की विफलता का कारण बन गया है ।

सौभाग्यवश हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में श्वांस ले रहे हैं । लोकतंत्र में सिस्टम (तंत्र) सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है । तंत्र से तात्पर्य है शासन के ऐसे विभिन्न विभाग जो प्रत्यक्षतः जनकल्याण से संबंधित हैं । सामान्य नागरिक के जीवन पर पुलिस,राजस्व,न्याय,स्वास्थ्य, शिक्षा आदि विभाग एवम् स्थानीय प्रशासन सीधा प्रभाव कारित करते हैं और इसका परिणाम स्पष्टतःसमाज में परिलक्षित भी होता है।

भारत में कानून का शासन (रूल आफ लॉ) या न्याय का शासन (रूल आफ जस्टिस) है । वर्तमान के ज्वलंत प्रकरण प्रमाण हैं कि इन विभागों के द्वारा कहीं ना कहीं अपनी भूमिका निभाने में कोताही बरती जा रही है जिससे मानव जीवन संकटापन्न हो रहा है ।

इन विभागों में से प्रत्येक का रिस्पांस पीरियड (अनुक्रिया/ प्रतिक्रिया काल) जीरो होना चाहिए तथा उनकी किसी भी त्रुटि के प्रति शासन के द्वारा जीरो टॉलरेंस (अक्षम्य नीति) अवश्यंभावी है।

मैं मुक्त कंठ से अपने अनुभव के आधार पर यह कहना चाहूंगा कि सिस्टम को हल्के में मत लीजिए यह एक नारा नहीं अपितु प्रशासनिक संस्कार है। हम गुड गवर्नेंस की बात करते हैं वस्तुतः इन विभागों की जवाब देही सुशासन की रीड है । सिस्टम में सुधार आदेश से नहीं अपितु इरादे से होता है । सिस्टम बहाने नहीं रिजल्ट चाहता है। तंत्र को अब रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक) नहीं अपितु प्रोएक्टिव (पूर्व क्रियात्मक) होना पड़ेगा। लापरवाही अब गलती नहीं अपराध मानी जानी चाहिए । संदेश स्पष्ट हो कि काम करो या हटो, जिम्मेदारी निभाओ या पद छोड़ो । प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी के लिए कुर्सी नहीं जिम्मेदारी बड़ी होना चाहिये। हम प्रायःकानून व्यवस्था पर भी चर्चा करते हैं । एक सभ्य समाज में व्यवस्था आवश्यक हैं और इसलिए यह कानून में परिलक्षित होती है । इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना एवम् अराजकता को रोकना है ।भारत में कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य का विषय है संविधान की अनु.246 एवम् सातवीं अनुसूची की सूची 2 (2) के अनुसार इस हेतु राज्य पुलिस को अधिकार प्राप्त है। कानून का राज तभी होगा जब हमारा तंत्र कानून से ऊपर नहीं होगा । नीति तभी काम करती है जब नियत साफ हो व तंत्र संचालकों की मंशा,चाल-चलन एवं चरित्र पारदर्शी हो । सिस्टम जनता के लिए है,न कि जनता सिस्टम के लिए। कोई भी नागरिक कानून से बड़ा नहीं है,न ही कानून के नीचे । राजनीतिक लाभ हेतु रेवड़ी बांटना या देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन और पैसे देने से दैनिक कार्यों में प्रत्यक्ष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में देश की सबसे बड़ी अदालत ने शहरी क्षेत्र में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक जनहित याचिका में यह टिप्पणी की है कि लोगों को मुख्य धारा में सम्मिलित करने की अपेक्षा हम उन्हें परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं !

निरंतर होते नीट पेपर लीक काण्ड एवम् अन्य प्रतियोगिता एवम् विद्यालयीन, महाविद्यालयीन परीक्षाओं में होती षड्यंत्रकारी धांधलियों ने विद्यार्थियों एवम् नवयुवकों के भविष्य को गर्त में डाल दिया है तथा शिक्षा विभाग को भी प्रश्नांकित कर दिया है। इंदौर का हनिट्रैप काण्ड हो अथवा भोपाल का ट्विशा शर्मा प्रकरण। पुलिस तंत्र ने प्राथमिक साक्ष्य संग्रह, साक्ष्य की श्रृंखला निर्धारित करने,इलेक्ट्रॉनिक एवम् डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने,प्रिजर्वेशन ऑफ़ क्राइम सीन के प्रति घोर लापरवाही की जाना आरोपित है। कमिश्नर ऑफ़ पुलिस,इंदौर द्वारा अपने अधिकार का उपयोग न करना या न कर पाना,उन्हें अपने अधिकार का ज्ञान ही ना होना या ज्ञान का न होना प्रदर्शित करना संस्थागत कार्य में किसी सशक्त बाहरी प्रभाव के होने का संदेह प्रकट करता है। तंत्र का इस प्रकार प्रभावित होना कई बार तंत्र की संलिप्तता भी इंगित करता है व अविश्वसनीयता का कारण बन रहा है व इस घाल-मेल से पीड़ित पक्ष न्याय से वंचित हो रहा है ।

अब चूंकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी उक्त प्रकरणों में की गई कार्यप्रणाली पर टिप्पणियां की जा रही है अतः इन विभागों को शासन का पूर्ण विधिक संरक्षण प्राप्त होना एवं यह सुनिश्चित होना कि उनके विधि सम्मत कार्यों में अवांछनीय हस्तक्षेप न हो, अपरिहार्य हो गया ही। विषयांकित युक्ति तभी सार्थक हो सकेगी।

इस विसंगति पर क्या कहें कि इससे फर्क नहीं पड़ता कि किसी ने अपराध किया है या नहीं ! यदि वह अपराधी है व उसका अपराध प्रमाणित नहीं होता,तो उसने अपराध किया ही नहीं है। ऐसे उद्धरणों को हम मूक दर्शक की भाँति देखने को विवश हैं। सिस्टम को अब स्वतः सशक्त होना होगा अन्यथा उस पर से जनता का बचा कुचा विश्वास भी पूर्णतः समाप्त हो जायेगा और यह क्रम मत्स्य न्याय (छोटी मछलीं,बड़ी मछली) या माइट इस राइट के सिद्धांत को प्रोत्साहित करेगा ।

मै बोलता हूँ तो इल्ज़ाम है बगावत का ।

मै चुप रहूँ तो बड़ी बेबसी सी होती है ।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनाएंगे। महिलाएं आज रसोईघर में व्यस्त रहेंगी। दाम्पत्य जीवन में खुशियां बरकरार रहेंगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे। आज अपने दोस्त की किसी बात का बुरा ना मानें, दोस्ती मजबूत होगी।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेंगी। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। समाज में आपका नाम ऊंचा होगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

1 जून विश्व दुग्ध दिवस पर विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है।

पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है।

इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है।

संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है।

देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूज़ीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं।

भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है।

इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राज़ील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूज़ीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था।

इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है।

विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

पशुओं में रोगों का प्रकोप, गुणवत्तापूर्ण चारे की कमी, जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान, दूध में मिलावट, कोल्ड-चेन अवसंरचना का अभाव तथा छोटे दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य न मिलना प्रमुख समस्याएँ हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए पशुओं के नियमित टीकाकरण, उन्नत नस्लों के विकास, संतुलित पशु आहार की उपलब्धता, आधुनिक डेयरी तकनीकों के उपयोग, दुग्ध संग्रहण एवं शीत भंडारण सुविधाओं के विस्तार तथा दूध की गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी आवश्यक है। साथ ही किसानों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर डेयरी क्षेत्र को अधिक सशक्त, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है। ऐसे प्रयास न केवल दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करेंगे, बल्कि किसानों की आय, पोषण सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हरमनप्रीत कौर टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

एजेंसी, ब्रिस्टल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की T20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

एजेंसी, मुम्बई

राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था।

आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था। जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है।

मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

एजेंसी, मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के

इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए।

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

एजेंसी, मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन

किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

- साप्ताहिक आधार पर 2,020 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की तेजी के बाद आज एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया। सोने की कीमत में आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज ये चमकीली धातु 560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई। वहीं, चेन्नई में सोने की कीमत में आज 290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बढ़त दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई। भाव में आई कमी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,57,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,43,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की सस्ती हो गई। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 1,850 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव में भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक नीचे आ गया। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,190 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,57,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आर्थिक मजबूती के बावजूद भारत को तेल, महंगाई और मानसून के जोखिमों का करना पड़ रहा सामनाः वित्त मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुई बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। लेकिन, सामान्य से कम मानसून और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के अनुमान के साथ आने वाले महीनों में कुल उपभोग मांग पर असर पड़ सकता है। इस तरह कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य का दृष्टिकोण सतर्क रुख के साथ मजबूत बना हुआ है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई हे। आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की ओर से जारी मई की 'मासिक आर्थिक समीक्षा' के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पैदा हुई बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है, लेकिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, महंगाई का दबाव और कमज़ोर मॉनसून का जोखिम आने वाले महीनों में आर्थिक विकास की गति को धीमा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सामान्य से कम मानसून और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के अनुमान के साथ आने वाले महीनों में कुल उपभोग मांग पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू बुनियाद मोटे तौर पर मजबूत बनी हुई हैं। विनिर्माण और सेवा के क्षेत्र के पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) में वृद्धि जारी है। श्रम बाजार स्थिर है एवं विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा, परिवहन और लॉजिस्टिक की बढ़ती लागत ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के दबाव को सामने ला दिया है और महंगाई को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। इन दबावों के साथ, प्रमुख केंद्रीय बैंक पूर्व अनुमानों की तुलना में अधिक समय तक प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति का रूख अपनाए रख सकते हैं। इससे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड प्रतिफल कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाजारों में इसका प्रभाव असमान बना हुआ है। ऊर्जा आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं को मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट, पूंजी निकासी और उच्च आयात बिलों से बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जबकि वस्तु निर्यातकों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रैल 2026 में अपनी वृद्धि गति को बनाए रखा। लेकिन, ई-वे बिल सृजन, पीएमआई सूचकांक और बिजली की खपत में वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक परिवेश अनिश्चित बने रहने पर वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि की गति को बनाए रखने और महंगाई दर को काबू में रखने के लिए नीतियों के स्तर पर लचीलापन आवश्यक होगा।

तीन कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए सेबी से मिली मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने तीन कंपनियों को आईपीओ लाने की अनुमति दे दी है। इन तीन कंपनियों में से स्टील के स्ट्रक्चरल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी रेनी स्ट्रिप्स लिमिटेड ने पिछले साल दिसंबर के महीने में सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया था। वहीं कंस्ट्रक्शन सेक्टर की कंपनी कृष्णा बिल्डस्पेस और वेटनरी सेक्टर की कंपनी रोडेक फार्मा ने इस साल जनवरी में सेबी के पास डीआरएचपी जमा कराया था। सेबी ने तीनों कंपनियों के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस का अध्ययन करने के बाद इनके लिए ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। सेबी की ओर से ऑब्जर्वेशन लेटर जारी होने का मतलब कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिलना होता है। इन तीनों कंपनियों के शेयर मेनबोर्ड सेगमेंट के होंगे। यानी इन तीनों कंपनियों के शेयरों की बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंज में लिस्टिंग होगी। रेनी स्ट्रिप्स के डीआरएचपी के मुताबिक कंपनी 300 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही प्रमोटर्स के पास के 1.02 करोड़ शेयरों को ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए भी बेचा जाएगा। नए शेयरों की बिक्री से मिले पैसे का इस्तेमाल कंपनी लुधियाना में स्कैफोल्डिंग और फॉर्मवर्क सिस्टम तथा इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड पाइप और ट्यूब बनाने के लिए एक नई यूनिट लगाने में करेगी। इसके अलावा पुराने कर्ज चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में भी नए शेयरों की बिक्री से हासिल हुए पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी तरह वेटनरी सेक्टर की कंपनी रोडेक फार्मा की डीआरएचपी के मुताबिक कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा। यानी इसमें कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। कंपनी के प्रमोटर अपने पास के 56.5 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचेंगे।

उतार चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों ने कमाया मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली । बकरीद की छुट्टी के कारण सिर्फ चार कारोबारी दिन वाले पिछले सप्ताह में शेयर बाजार लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करता रहा। इन चार दिनों के कारोबार के बाद शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का सेंसेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,775.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी साप्ताहिक आधार पर 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,547.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के दौरान शांति वार्ता के भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही बिकवाली और चुनिंदा स्टॉक्स में हो रही प्रॉफिट बुकिंग की वजह से शेयर बाजार पर दबाव बना रहा। इसी दबाव के कारण निवेशक पूरे सप्ताह सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए नजर आए, जिसका परिणाम बाजार की गिरावट के रूप में दिखाई दिया। इसके अलावा ग्लोबल इंडेक्स प्रोवाइडर एमएससीआई द्वारा इंडियन स्टॉक मार्केट में लिस्टेड शेयरों की री-बैलेंसिंग के कारण भी घरेलू शेयर बाजार के प्रदर्शन पर असर पड़ा। री-बैलेंसिंग की वजह से भारतीय बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर पैसे की निकासी की गई, जिसने अंततः शेयर बाजार के मूड को बिगाड़ने का काम किया। पिछले सप्ताह के कारोबार में निफ्टी का लार्ज कैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर कमजोर प्रदर्शन करके बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद के कारण कच्चे तेल में नरमी का रुख, छह महीने के निचले स्तर पर आई कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में सीजफायर को और आगे बढ़ाने की बात पर सहमति बन जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत छह सप्ताह के निचले स्तर पर आ गई है। ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर के स्तर से भी नीचे फिसल कर 89.24 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड आज 86.35 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ नजर आया।

इस महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ज्यादातर समय 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के नीचे ही बनी रही है। ईरान और अमेरिका के बीच समझौता होने

की उम्मीद के कारण कच्चे तेल की कीमत में इस महीने अधिक बढ़ोतरी नहीं हुई। हालांकि दोनों पक्षों के बीच अभी तक कोई भी डील फाइनल नहीं हुई है और अनिश्चितता लगातार बनी हुई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान ओर से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट चैनल्स के जरिए हो रही बातचीत के आधार पर इस बात की भी उम्मीद की जा रही है कि होर्मुज स्ट्रेट के जरिए मालवहन जल्दी ही सुचारू रूप से शुरू हो सकता है। खाड़ी के देशों से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही होती है। पश्चिम एशिया में जंग शुरू होने के बाद से ही होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाला मालवहन लगभग ठप पड़ा हुआ है, जिसकी वजह से पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। होर्मुज स्ट्रेट ठप होने से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई अब लंबे और घुमावदार मार्ग से होने की वजह से परिवहन लागत भी बढ़ गई है, जिसकी वजह से पहले से ही ऊंचे भाव पर पहुंचे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत और भी तेज हो गई है।

ब्लास्ट में अब्राहम बने नजर आएंगे अर्जुन चिदंबरम, फैमिली एंटरटेनर फिल्म को लेकर बढ़ा उत्साह

फि फिल्म निर्देशक सुभाष के राज की आने वाली फिल्म ब्लास्ट लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने खुलासा किया है कि अभिनेता अर्जुन चिदंबरम फिल्म में अब्राहम नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में अर्जुन सरजा, प्रीति मुखुनधन और अभिरामी दिखाई देंगे। अब अर्जुन चिदंबरम के किरदार की जानकारी सामने आने के बाद फैंस फिल्म की कहानी को लेकर और ज्यादा उत्साहित हैं। अभी उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि फिल्म में उनकी भूमिका काफी अहम होने वाली है। फिल्म का निर्माण कर रही एजीएस एंटरटेनमेंट ने एक्स टाइमलाइन पर लिखा, ब्लास्ट की दुनिया में अब्राहम से मिलिए। इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट और पूरी टीम को भी टैग किया गया। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट 28 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म में एक्शन, इमोशन और मनोरंजन का पूरा पैकेज देखने को मिलेगा, जो हर उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा। यह फिल्म परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती है। फरवरी में मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उस दौरान एजीएस एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें फिल्म के बीटीएस पल दिखाए गए थे। वीडियो में फिल्म की पूरी टीम शूटिंग खत्म होने की खुशी मनाती नजर आई थी। वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था कि फिल्म अब पूरी तरह तैयार है और हमें बेसब्री से इंतजार है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें। फिल्म की एक और खास बात इसका संगीत है। मशहूर संगीत निर्देशक रवि बसरूर इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। रवि बसरूर को खास तौर पर केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के दमदार संगीत के लिए जाना जाता है।

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज

आम लोगों की बहादुरी को किया सलाम

अ अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें कई अनदेखे नायकों को सम्मान दिया गया है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल द अनसीन हीरोज रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा-तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, भारत भाग्य विधाता उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।

कंगना ने आगे कहा, इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है। फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक-दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद-ब-खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। भारत भाग्य विधाता उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं। फिल्म के

लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा, आज के दौर में फिल्मों में गोलीबारी, धमाके और हिंसा दिखाना आसान है लेकिन खामोश बहादुरी को पर्दे पर उतारना सबसे मुश्किल काम होता है। फिल्म में उन छोटे-छोटे पलों को पकड़ने की कोशिश की गई है, जब एक साधारण इंसान अपने डर को पीछे छोड़कर दूसरों की रक्षा करने का फैसला करता है। फिल्म में कंगना रनौत के अलावा गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका आघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। भारत भाग्य विधाता को डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स, परमहंस क्रिएशंस, यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर किया है। फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गवर्नर में आर्थिक संकट की कहानी

ट्रेलर में अभिनेता मनोज बाजपेयी के किरदार ने खींचा लोगों का ध्यान

बॉ बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म गवर्नर इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। मंगलवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह फिल्म भारत के इतिहास के उस कठिन दौर को दिखाती है, जब देश 1990 के दशक में गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उस समय भारत की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि देश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था। ट्रेलर में डर, तनाव और देश को बचाने की कोशिशों को बेहद गंभीर अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया जाता है कि देश की गिरती अर्थव्यवस्था को लेकर आम जनता में गुस्सा और बेचैनी है। लोग सरकार और आर्थिक हालात को लेकर चिंतित हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देश को आर्थिक रूप से टूटने से कैसे बचाया जाए। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि सरकार और बड़े अधिकारियों को कुछ कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। कहानी भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक पर आधारित है। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। उनका किरदार देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को संभालने और भारत को संकट से बाहर

निकालने की कोशिश करता दिखाई देगा। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी का गंभीर और शांत अंदाज दर्शकों को काफी पंसद आ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में मनोज बाजपेयी का किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित हो सकता है। वह 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई के गवर्नर थे और उस समय देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने में उनकी अहम भूमिका मानी जाती है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं की है कि कहानी पूरी तरह उन्हीं पर आधारित है। फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रही है। इसे विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। फिल्म के सह-निर्माता आशिन ए. शाह हैं। कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। फिल्म के संगीत पर भी खास ध्यान दिया गया है। इसके गानों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं, जबकि संगीत अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है। ट्रेलर में बैकग्राउंड म्यूजिक भी कहानी के तनाव और गंभीर माहौल को मजबूत बनाता दिखाई देता है। फिल्म गर्वनर 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शेट्टी ने 50 की उम्र में ढाया कहर

व्हाइट ड्रेस में शेयर की दिलकश तस्वीरें

बॉ बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 की उम्र में भी अपनी फिटनेस और ग्लैमरस अंदाज से फैंस को लगातार हैरान कर रही हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने व्हाइट गाउन में अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया. उनका ये स्टनिंग लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की है. 50 की उम्र में एक्ट्रेस कहर ढा रही हैं. लुक की बात करें तो शिल्पा व्हाइट ड्रेस पहने नजर आ रही हैं. उनका ये लुक काफी स्टाइलिश है. शिल्पा शेट्टी ने गोल्डन ईयरिंग्स के साथ अपने इस लुक को और भी परफेक्ट बनाया है, जिसमें उनका ग्लैमरस और एलिगेंट अंदाज साफ नजर आ रहा है. शिल्पा ने इस लुक को सटल मेकअप और खुले बालों के साथ पूरा किया है, जिसमें उनका नैचुरल और ग्रेसफुल अंदाज बेहद खूबसूरत नजर आ रहा है. इस हाई स्लिट कट ड्रेस पहन शिल्पा ने कई कातिलाना पोज दिए हैं. शिल्पा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस ग्लैमरस लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं. शिल्पा अपने हर लुक से फैंस को दीवाना बना देती हैं, और उनका ये स्टनिंग अंदाज एक बार फिर लोगों का दिल जीत रहा है.

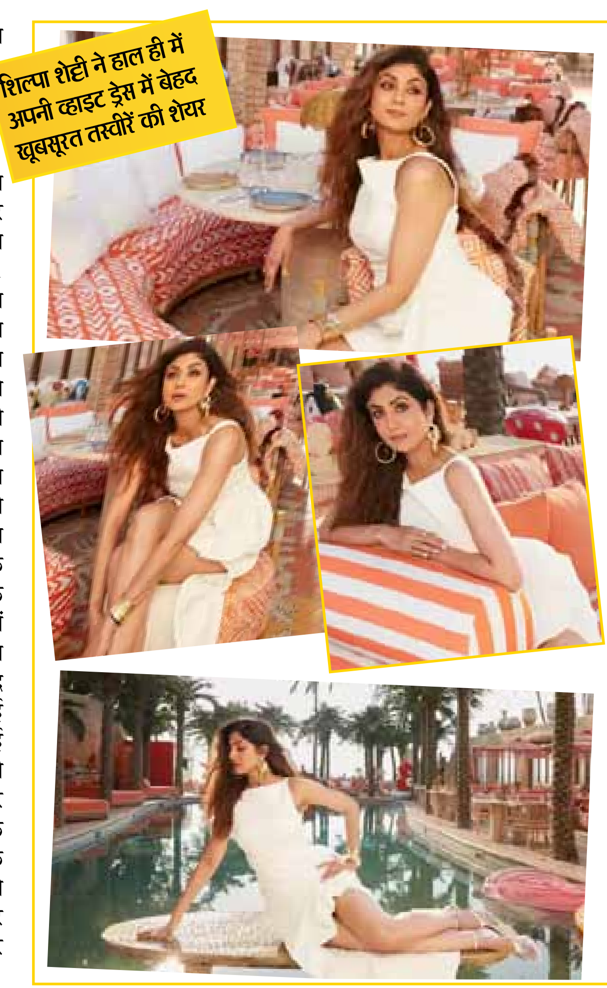

शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपनी व्हाइट ड्रेस में बेहद खूबसूरत तस्वीरें की शेयर

'तारक मेहता' की एक्ट्रेस का खुलासा-मैसेज करता था IPL का तलाकशुदा क्रिकेटर

नेहल बोलीं- ब्लॉक करना पड़ा

ता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस नेहल वडोलिया एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक क्रिकेटर से मिले मैसेजेस के बारे में बताया और उनके इस बयान ने ऑनलाइन अटकलों का सिलसिला शुरू कर दिया है। सुनो इंडिया पॉडकास्ट में एक कार्यक्रम के दौरान, नेहल से पूछा गया कि क्या कभी किसी क्रिकेटर ने उन्हें मैसेज किया है। उनके जवाब ने तुरंत सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नाम ले लूं?।' फिर उन्होंने आगे कहा, 'इतना पता नहीं है, राजस्थान रॉयल्स का है। तलाक हो चुका है।' जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस तरह के मैसेज मिलते थे, तो नेहल ने बताया कि क्रिकेटर अक्सर उसकी सोशल मीडिया स्टोरीज पर कमेंट करता था और उनकी खूबसूरती की

तारीफ करता था।

एक्ट्रेस के मुताबिक, वह उन्हें हॉट, सुंदर और प्यारी कहकर मैसेज भेजता था। नेहल ने कहा कि वह इस बातचीत को आगे नहीं बढ़ाना चाहती थीं और आखिरकार उन्होंने उससे संपर्क तोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'अगर मैं अभी मैसेज करूंगी तो वो मैसेज करना शुरू हो जाएगा। मुझे बात ही नहीं करनी।' एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि बाद में उन्होंने क्रिकेटर को ब्लॉक कर दिया क्योंकि उन्हें उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। पॉडकास्ट के क्लिप ऑनलाइन सामने आने के तुरंत बाद, सोशल मीडिया यूजर्स यह पता लगाने की कोशिश करने लगे कि वह रहस्यमय खिलाड़ी कौन हो सकता है। हालांकि नेहल ने किसी का नाम नहीं बताया, लेकिन फैंस ने अपने-अपने अनुमान लगाना शुरू कर दिया। एक ने कमेंट किया- शिमरोन हेटमायर? या तुषार देशपांडे? दूसरे ने लिखा- चहल आरआर में थे। तीसरे ने पूछा- यूजी, भाई तू है क्या? यह पहली बार नहीं है जब नेहल हाल ही में सुर्खियों में आई हैं। एक्ट्रेस पहले भी तब सुर्खियों में आई थीं जब उन्होंने गुजराती अभिनेता करण जोशी पर इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक मैसेज भेजने का आरोप लगाया था। उन्होंने स्क्रीनशॉट और वीडियो शेयर किए थे, जिनमें उनके मुताबिक उनकी बातचीत दिखाई दे रही थी।

डोला रे डोला...' सॉन्ग की शूटिंग के दौरान 4 महीने की प्रेग्नेंट थीं माधुरी दीक्षित? 24 साल बाद बताई सच्चाई

शा शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय स्टारर फिल्म 'देवदास' तो आपको याद होगी. भला याद भी कैसे ना हो, केवल फिल्म ही नहीं बल्कि इसका एक-एक गाना तक सदाबहार सॉन्ग्स में से एक है. शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की जो केमिस्ट्री देखने के लिए मिली थी वो आज भी भुलाया नहीं जा सका है. फिल्म में माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार अहम रोल में थे. माधुरी और ऐश्वर्या का एक सॉन्ग 'डोला रे डोला' था, जिसे लेकर अभिनेत्री ने बात की और रूमर्स पर जवाब दिया.

दरअसल, साल 2002 में जब फिल्म 'देवदास' को रिलीज किया गया था तो उस समय उनके सॉन्ग 'डोला रे डोला' को लेकर चर्चा काफी रही थी. उस समय खबरें काफी रही थी माधुरी दीक्षित इस गाने की शूटिंग के दौरान प्रेग्नेंट थीं. इसके बारे में अब 24 साल

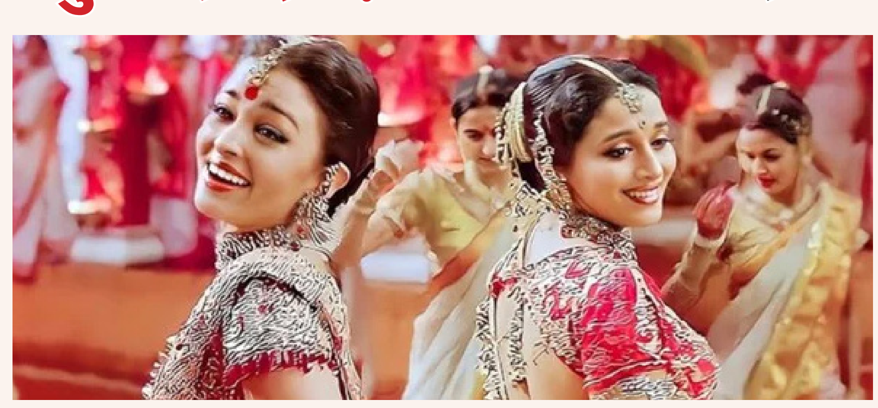

अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ी और रूमर्स पर रिएक्शन देते हुए इस पर विराम लगा दिया. माधुरी ने हाल ही में 'द इंडियन एक्सप्रेस' के एक इंटरव्यू में बात की थी. इस दौरान उनसे दिवंगत दिग्गज कोरियोग्राफर सरोज खान की सहयोगी रुबीना खान के दावे को लेकर पूछा गया था कि माधुरी संजय लीला भंसाली की फिल्म के गाने की शूटिंग के दौरान 4 महीने की प्रेग्नेंट थीं? इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, 'आरिन 2003 में पैदा हुआ था. तो आप हिसाब लगा लीजिए.' आरिन माधुरी के बड़े बेटे हैं, जिनका जन्म 17 मार्च 2003 को हुआ था और 'देवदास' को 12 जुलाई 2002 में रिलीज किया गया था. जबकि 23 मई, 2002 को इसका कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हुआ था. माधुरी दीक्षित ने आगे फिल्म 'देवदास' की शूटिंग को लेकर बताया, 'मैं लगातार ट्रैवल कर रही थी इसलिए मेरी तबीयत थोड़ी खराब हो गई थी. मैं शूटिंग के लिए इधर-उधर भागती रहती थी. मेरी शूटिंग रात में होती थी. इसलिए मेरे लिए ये बहुत ही थकाने वाला था. मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी लेकिन कुछ खास नहीं था.' गौरतलब है कि माधुरी दीक्षित ने साल 1999 में श्रीराम नेने से शादी की थी. इसके बाद वो अमेरिका के डेनवर में बस गई थीं. उनके पति डेनवर के जाने-माने हार्ट स्पेशलिस्ट हैं. शादी के बाद कई सालों तक वो डेनवर से मुंबई आती जाती रहीं. उन्होंने बेटों अरिन और रयान नेने के जन्म से पहले 'देवदास' की शूटिंग की थी. आपको बता दें कि फिल्म 'देवदास' शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के फेमस उपन्यास पर आधारित है, जो कि 1917 में लिखा गया था. इसमें माधुरी ने चंद्रमुखी, ऐश्वर्या राय पारो और शाहरुख खान ने देवदास की भूमिका निभाई थी. उपन्यास के इन कैरेक्टर्स को शाहरुख और ऐश्वर्या के साथ ही माधुरी दीक्षित ने भी अपनी एक्टिंग से अमर कर दिया.

Keep an eye on 'radicalisation centres' in border areas: Amit Shah

New Delhi, Agency: Calling for a zero-tolerance approach towards unauthorised encroachments within 0-15 km of the international border, home minister Amit Shah on Friday said the local administration and police in border district should remove all such encroachments and keep a close vigil on centres of radicalisation within this border belt.

Chairing a meeting in Bhuj to review the security of Gujarat's land and coastal borders, Shah said that everyone, from the police station staff to patwari, should work in unison to ensure the deportation of already settled illegal infiltrators. He said that the local administrations should formulate standard operating procedures (SOPs) to counter specific challenges and requirements of each border district, and ensure the identification of existing infiltrators as well as the threat from drones and narcotics.

Aimed at achieving a more robust and comprehensive border management, the meeting - attended by the Gujarat chief minister, deputy chief minister, chief secretary and DGP as well as the district magistrates (DMs) and superintendents of police (SPs) of border districts of Kutch, Vav-Tharad and Patan - focused on the challenges, threats, and emerging concerns in areas along the India-Pakistan border and emphasised the active and effective role of the state government-particularly the DMs and SPs-in this regard. In keeping with the nationwide focus on tackling illegal immigration and the "unnatural" demographic changes caused by it, particularly in border areas, the home minister asked the DMs to strictly monitor and regularly report on demographic changes occurring in border districts. Shah said security coordination groups should be formed for each district comprising officers of the BSF, Coast Guard, Income Tax Department and Enforcement Directorate (ED) as well as the lead bank manager. He said that the responsibility for effective enforcement of income tax, anti-money laundering, and customs laws should rest with the distirct magistrate, SP and inspector general, border range.

Evict me by force if you can: Rabri Devi dares Bihar CM over bungalow row

New Delhi, Agency: Former Bihar Chief Minister Rabri Devi on Saturday refused to vacate the 10, Circular Road bungalow and challenged current CM Samrat Choudhary to remove her by force, triggering a fresh row over one of the state's most prominent government residences. When journalists questioned her at Patna airport about the Building Construction Department's decision to allot the bungalow to Dairy and Fisheries Minister Nand Kishor Ram, the former CM said she had no intention of leaving the residence voluntarily. Rabri Devi said the CM, who had recently assumed office, appeared excited and could try removing her forcibly if he wished, adding that she was not going to vacate the premises. The former CM, who governed Bihar from 1997 to 2005, was returning from Delhi after celebrating her grandson's birthday. Her husband and RJD chief Lalu Prasad is also learnt to have travelled to Singapore for medical treatment.

Visibly annoyed by repeated questions over the housing dispute, Rabri Devi briefly interacted with reporters from inside her car and pushed away microphones while responding.

The bungalow at 10, Circular Road, situated close to Raj Bhavan and the CM's residence, has remained politically significant for years as an important centre of the RJD activities.

The controversy dates back several months when the Building Construction Department revised allotment rules and decided that the bungalow would be reserved only for deputy chief ministers. Following the order, Rabri Devi, who currently serves as the Leader of Opposition in the Legislative Council, was allotted an alternative government accommodation at 39, Hardinge Road and asked to relocate.

Despite the alternative arrangement, she continued occupying the Circular Road residence along with Lalu Prasad. Their younger son and Leader of Opposition in the Assembly, Tejashwi Yadav, who has separately been allotted a bungalow at 1, Polo Road, is also known to spend considerable time at the Circular Road residence.

Amid the escalating row, Bihar Building Construction Minister Leshi Singh said Rabri Devi could not claim she was being denied facilities as she had already been allotted an official residence. She asserted that the government had now allotted 10, Circular Road to a serving minister and indicated there would be no special concessions.

SC: Child's right to know father outweighs privacy

New Delhi, Agency: Putting a child's right to know about his biological father on a higher pedestal in comparison to a person's right to privacy not to be compelled to undergo a DNA test, Supreme Court has directed a man to go through the test on a paternity suit filed by a youth who claims to be his biological son.

A bench of Justices Sanjay Karol and N K Singh adjudicated a tricky issue--whose rights would prevail in paternity test battle -- the right to privacy of a man not to undergo DNA test or the right of a child to know about his father? The court held that balance of interests lies in favour of the child and passed order in his favour. It rejected the plea of the man who resisted the test on the ground that he did not have a physical relationship with the child's mother. The court noted that the mother of the youth had also fought a long legal battle against him for getting her due and maintenance for the son which ended in Supreme Court and matters became infructuous as the son became a major by the time the case reached the apex court. The man, however, told the court that he was given a clean chit in the rape case filed against him by her and it should put to rest all allegation.

3-storey commercial building collapses in Delhi; man killed, 8 rescued

New Delhi, Agency: The three-storey commercial building collapse near the Saket Metro station in south Delhi has left a 26-year-old man dead while eight others have been rescued, an official of the Delhi Fire Services said on Sunday.

The building on Western Marg in Saidulajab area collapsed on Saturday evening. The structure housed a coaching institute, cafes and offices, while construction work was reportedly under way on the upper floor at the time of the incident. Officials said the building was completely reduced to rubble, with debris crashing onto an adjoining tin shed canteen frequented by students preparing for medical entrance examinations. The deceased was identified as Ravi.

Gen NS Raja Subramani takes chSarge as Chief of Defence Staff

New Delhi, Agency: Gen NS Raja Subramani, widely known as an expert on Pakistan and China, on Sunday took charge as India's new Chief of Defence Staff with a primary mandate to implement the ambitious military theaterisation plan and bolster tri-services synergy. He succeeded Gen Anil Chauhan, who signed off after completing his tenure as the country's senior-most military commander on Saturday. Gen Subramani was serving as the Military Advisor at the National Security Council Secretariat (NSCS). He retired as the Vice Chief of Army Staff on July 31 last year.

The military officer, shortly after taking charge, said transformation of the armed forces and organisational reforms to enhance tri-services synergy and integration will be his primary focus.

"We will accelerate the development, induction and integration of indigenous weapons in our armed forces," he said in a brief media statement.

"Our armed forces consistently demonstrated professionalism and operational decisiveness in safeguarding our national interests. We are committed to protecting the sovereignty and territorial integrity of our country," he said.

"I assure citizens of India that armed forces will continue to serve the nation with dedication, courage, honour and professionalism," he

SIR successfully met both legal constitutional mandate: CEC

New Delhi, Agency: Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar on Saturday termed the central poll panel's Special Intensive Revision(SIR) that the SIR has not only withstood the scrutiny of the highest court in India, but has also been immensely successful in meeting its constitutional and legal mandate.

Speaking at a conference the CEC also lauded election officials for what he said "carrying full transparency in preparing the electoral rolls on their strong shoulders despite adverse pressures day and night". Kumar said that "under the close watch of more than 15 lakh booth level agents, district and state presidents of all the national and state political parties", the special intensive revision was being done by more than 11 lakh booth level officers, assistant electoral registration officers and electoral registration officers.

"All of them are state government employees and are on deputation to the Election Commission for preparing one of the most, and I repeat, one of the most accurate electoral roles in the world," he said. Explaining further Kumar said that during the special intensive revision, all citizens of India who had attained 18 years of age are being included aggressively by the electoral machinery and all those who are ineligible such as dead, duplicate, absent, shifted and foreigners are being removed.

Nitin Nabin in Uttarakhand, BJP signals early prep for assembly polls

New Delhi, Agency: Uttarakhand may not figure high among states ranked by political weight but it warrants enough importance in the BJP's scheme of things for its president Nitin Nabin to spend three days touching base with booth-level members, MPs and MLAs and brainstorming with them over winning seats that the party lost narrowly in 2022. While assembly election in the hill state is due early next year, it is still two years away in Karnataka where he was recently for two days, emphasising the need for putting up a united face to the party's state unit which has a history of internal bickering. Nabin combined his effort to unify ranks with one, like addressing intellectuals, for connecting with important constituencies.

Election or no election, BJP is always preparing for the next round of polls: muscling up its much-vaunted organisational machinery, reaching out to people and adapting its messaging, while its rivals are often seen to be springing to action much closer to the formal announcement of contest. The next round of assembly polls in five states - UP, Uttarakhand, Punjab, Manipur and Goa - are nine to 10 months away but BJP has been making moves to outpace its rivals and make an early start.

BJP is in office in all these states except Punjab, where it is investing a lot of political capital to emerge as a strong force after playing second fiddle to former ally Akali Dal for over two decades till their 2020 split.

If its Dec appointment of Pankaj Chaudhary, a Kurmi from the backward classes which drifted from BJP to Samajwadi Party-Congress alliance in a big chunk in Lok Sabha polls, was seen as part of its political strategy to claw back territory it lost in 2024, the governing party is expected to continue with steps in the coming days to counter SP's PDA (pichhda-dalit-alpasankhyak) pitch.

'Distance from conflict no longer means distance from consequences': Navy chief on Hormuz crisis

New Delhi, Agency: Chief of Naval Staff Admiral Dinesh K Tripathi on Saturday said that t"distance from conflict no longer means distance from consequences" as tensions continue to impact maritime routes around the Strait of Hormuz. Speaking about the challenges involved in ensuring the safe passage of oil tankers through the strategic waterway, the Chief of Naval Staff said the region faces a range of security threats.

"The primary challenges in this region include regional instability, asymmetric threats, attacks on merchant shipping, missile and drone threats, navigational safety concerns, and the increasing complexity of maritime traffic management during periods of heightened tension," he said as quoted by ANI. To protect those interests, the Indian Navy has strengthened its presence in the region. "To safeguard India's maritime interests and ensure the safe passage of trade, the Indian Navy has proactively stepped up its presence.

Sir H.N. Reliance Foundation Hospital tops Times of India Critical Care Hospital Ranking Survey 2026

New Delhi, Agency: Sir H.N. Reliance Foundation Hospital has been recognised as the number one multi-speciality hospital in India in the Times of India Critical Care Hospital Ranking Survey 2026. The institution secured the top national rank across multiple essential medical fields, including oncology, cardiology, obstetrics and gynaecology, paediatrics, neurosciences, nephrology, gastroenterology and hepatology, urology, and emergency and trauma.

The national recognition highlights the hospital's core philosophy of 'Respect for Life'. Reflecting on the milestone and the foundational journey of the institution, Reliance Foundation Founder Nita Ambani said, "We began with a vision to make world class healthcare affordable and accessible to every Indian."

She noted that the hospital's care delivery remains deeply rooted in traditional values, adding, "For us, every life is precious. This belief comes from our ancient wisdom that taught us: May all be happy, may all be free from illness." Over the last decade, the hospital has served 3.3 million patients through its network of doctors, nurses, and caregivers. The facility operates as a JCI-accredited, LEED Gold-certified, 360-bedded quaternary care institution in Mumbai.